जीवन दर्शन

कोई मनुष्य दूसरे मनुष्य को दास नहीं बनाता, केवल धन का लालच ही मनुष्य को दास बनाता है - पंचतंत्र

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

महानगर संस्करण

LOCAL TO GLOBAL

www.globalherald.news

बुधवार 16 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 64 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज का शेड्यूल घोषित:10 साल बाद...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी प्रशासन में अफरा-तफरी

नई दिल्ली। आयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार राम जन्मभूमि ट्रस्ट के मेल पर धमकीभरा मेल आया था, जिसमें लिखा था मंदिर की सुरक्षा बढ़ा लो, अगर ऐसा नहीं होगा तो राम मंदिर को बम से उड़ा दिया जाएगा। इस धमकी भरे मेल के पहुंचने के बाद व्यापक सर्च ऑपरेशन भी चलाया गया। अयोध्या के साथ साथ बाराबंकी और अन्य पड़ोसी जिलों में भी सतर्कता बढ़ाई गई। इस मामले में राम जन्मभूमि ट्रस्ट कार्यालय के अकाउंट ऑफिसर महेश कुमार ने मुकदमा दर्ज करवाया है। अयोध्या के साथ-साथ बाराबंकी चंदौली समेत कई अन्य जिलों के जिलाधिकारियों को भी धमकी भरा मेल आया है। बाराबंकी, फिरोजाबाद और चंदौली के जिलाधिकारी को बम से उड़ाने की धमकी का मेल आया है।

अमरनाथ यात्रा- रजिस्ट्रेशन शुरू, 600 से ज्यादा बैंकों में ऑफलाइन फॉर्म मिलेंगे

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा-2025 के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो गए हैं। श्रद्धालु ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन फीस 220 रुपए रखी गई है। ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन 600 से ज्यादा बैंकों में किया जा सकता है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त (रक्षाबंधन) तक (39 दिन) चलेगी। यात्रा दो रूट- पहलगाम (अनंतनाग) और बालटाल (गांदरबल) से होगी। लगभग 6 लाख श्रद्धालु यात्रा पर आ सकते हैं। 5 मार्च को श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की 48वीं बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्रा की तारीखों की घोषणा की थी। बैठक में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बेहतर करने के कई प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

बांग्लादेश में मॉडल मेघना आलम गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में चर्चित मॉडल मेघना आलम को 9 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। उन पर देश की सुरक्षा को खतरे में डालने और वित्तीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। मेघना 2020 में मिस अर्थ बांग्लादेश रह चुकी हैं। मेघना के पिता बदरूल आलम ने बताया कि पुलिस ने बिना किसी चार्जशीट के उनकी बेटी को हिरासत में लिया है। यह पूरी तरह से गैरकानूनी है। मेघना की गिरफ्तारी की अहम वजह उसका सऊदी अरब के राजदूत के साथ संबंध बताया जा रहा है। बदरूल आलम ने कहा कि, 'राजदूत और मेघना के बीच संबंध थे और मेरी बेटी ने उनके साथ शादी करने से मना कर दिया, क्योंकि वे पहले से ही शादी-शुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं।

'जजों को सावधान रहना चाहिए ... ', यौन हिंसा मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में जजों को अनुचित टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए. कोर्ट ने कहा कि जजों को सावधान रहना चाहिए और वे जमानत दे सकते हैं, लेकिन ऐसी टिप्पणियां क्यों करें. सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक मामले के संबंध में अपने द्वारा शुरू किए गए एक स्वतः संज्ञान मामले में की है.

सुप्रीम कोर्ट ने 26 मार्च को मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के विवादास्पद आदेश को पूरी तरह से असंवेदनशील बताया और कहा हम यह बताने में दर्द महसूस कर रहे हैं कि यह निर्णय संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है. कोर्ट की टिप्पणियां तब आई, जब वह इलाहाबाद हाई कोर्ट के 17 मार्च के अलग आदेश पर एक सू मोटू मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें हाई कोर्ट ने कहा था कि स्तनों को छूने और एक महिला के पजामा के ड्रॉस्ट्रिंग को खींचने को बलात्कार का प्रयास नहीं माना जा सकता.

चार हफ्ते बाद होगी अगली सुनवाई

जस्टिस गवई ने कहा, अगर कोई जमानत देना चाहता है तो यह ठीक है, लेकिन इस तरह की टिप्पणियां क्यों करें कि उसने परेशानी को आमंत्रित किया और वह सब. इससे सभी को सावधान रहना चाहिए. इसके बाद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पूछा कि कैसे एक आम आदमी मान सकता है कि इस तरह की टिप्पणियों को ध्यान में रखना आवश्यक था. बेंच ने चार सप्ताह के लिए सू मोटू मामले में सुनवाई को स्थगित कर दिया. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आदेश में किए गए कुछ अवलोकन असंवेदनशीलता और अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाते हैं. बता दें कि चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के नोटिस में लाने के बाद कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया था. सुनवाई के दौरान मंगलवार को बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा एक और हालिया अवलोकन के लिए अपवाद लिया कि महिला ने खुद परेशानी को आमंत्रित किया था और कथित बलात्कार के लिए जिम्मेदार थी.

सुप्रीम कोर्ट बोला- हॉस्पिटल से बच्चा चोरी हुआ तो लाइसेंस रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नवजात शिशु तस्करी के एक मामले में यूपी सरकार फटकार लगाई और राज्यों के लिए कुछ जरूरी नियम जारी किए। कोर्ट ने कहा- अगर किसी हॉस्पिटल से नवजात की तस्करी होती है तो उसका लाइसेंस तुरंत रद्द किया जाए। डिलीवरी के बाद बच्चा गायब होता है तो हॉस्पिटल की जवाबदेही होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- देशभर के सभी हाईकोर्ट अपने राज्यों में बच्चों की तस्करी से जुड़े लंबित मामलों की स्टेट्स रिपोर्ट मंगवाएं। सभी की सुनवाई छह महीने के भीतर पूरी करें। केस में हर दिन सुनवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट नवजात तस्करी के उस मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश के एक दंपती ने 4 लाख रुपए में तस्करी किया गया बच्चा खरीदा। क्योंकि उन्हें बेटा चाहिए था। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपियों को अग्रिम जमानत दे दी थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। दिल्ली पुलिस ने 8 अप्रैल को नवजात बच्चा तस्करी गैंग के 2 महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया- यह गैंग दिल्ली-एनसीआर में निसंतान अमीर परिवारों को बच्चों की सप्लाई करते थे। राजस्थान और गुजरात से नवजात बच्चों को लाकर 5-10 लाख रुपए में बेचते थे। इनके पास से एक नवजात बच्चा भी बरामद किया। गैंग अब तक 30 से ज्यादा बच्चों को अमीर परिवारों को बेच चुका था।

'जमीन घोटाला' मामले में राबर्ट वाड्रा से ईडी ने की 6 घंटे पूछताछ

नई दिल्ली ■

ईडी ने हरियाणा में 2008 के एक जमीन सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कारोबारी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा से छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की. वाड्रा दूसरी बार तलब किए जाने के बाद मंगलवार सुबह करीब 11 बजे ईडी के दिल्ली कार्यालय में पेश हुए और शाम 6 बजे के बाद चले गए. उन्हें बुधवार को फिर से तलब किया गया है. वाड्रा मध्य दिल्ली के सुजान सिंह पार्क स्थित अपने घर से 2 किलोमीटर पैदल चलकर एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित ईडी मुख्यालय पहुंचे.

पत्रकारों से बात करते हुए रॉबर्ट वाड्रा ने बताया कि मामला करीब 20 साल पुराना है. वाड्रा ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध के तहत निशाना बनाया जा रहा है. वाड्रा ने कहा कि जब भी मैं लोगों या अल्पसंख्यकों के हित में, सरकार की कमियों पर बोलता हूं या यहां तक कि संकेत देता हूं कि मैं राजनीति में प्रवेश करने के बारे में सोच रहा हूं, तो वे केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करना शुरू कर देते हैं. इस मामले में कुछ भी नहीं है. कुछ पता लगाने में 20 साल नहीं लगते. मैं जांच एजेंसियों के कार्यालयों में 15 बार गया हूं. मुझसे एक बार में 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई है और 23,000 दस्तावेज जमा किए हैं.

सोनिया, राहुल और पित्रोदा पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने कांग्रेस के एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी। ईडी की चार्जशीट के विरोध में कांग्रेस ने बुधवार को देशभर के ईडी दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन का ऐलान किया है।

योगी बोले- वक्फ की जमीनों पर मकान बनवाएंगे:लातों के भूत बातों से नहीं मानते

जिसे बांग्लादेश पसंद, वो वहां चला जाए

हरदोई ■

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को हरदोई जिले के दौरे पर पहुंचे हैं। उन्होंने माधौगंज के रुइया गढ़ी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बलिदानी राजा नरपत सिंह के शौर्य दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके बाद जनता को सौगात देने के साथ जनसभा को संबोधित किया।

योगी ने कहा कि वक्फ कानून से जमीन की लूट रुकने वाली है, जिससे विपक्ष को परेशानी है। ऐसा इसलिए हैं कि गुर्गे खाली होकर...जनता की जगह उन्हें ही न लूटने लग जाएं। विपक्ष जनता को गुमराह कर रहा है, लेकिन हमें संविधान पर विश्वास करना और विकास से जुड़ना है।

अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए

उन्होंने आगे कहा कि बंगाल जल रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री चुप हैं। वह दंगाइयों को शांतिदूत कहती हैं। लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं? लेकिन धर्मनिरपेक्षता के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगे करने की पूरी छूट दे रखी है। पिछले एक हफ्ते से पूरा मुर्शिदाबाद जल रहा है, लेकिन सरकार मौन है। ऐसी अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए।

वापस आई जमीन पर होंगे कार्य

उन्होंने आगे कहा कि वक्फ संशोधन बिल से वापस आई जमीन पर अस्पताल, गरीबों के लिए मकान, स्कूल, विश्वविद्यालय, निवेश लैंड आदि बनेगा। हरदोई में सीएम आवास योजना के तहत हजारों आवास मिले हैं। जनता को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिल रहा है। सीएम योगी ने आगे कहा कि राशन, रोजगार, किसान सम्मान, लखपति दीदी जैसी योजनाओं से जनता लाभान्वित हो रही है। विकसित भारत की परिकल्पना के लिए हमें आत्मनिर्भर होगा होना। नौजवानों की स्किल को रफ्तार देनी है। 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा होगा।

जोधपुर में सामूहिक आत्महत्या

3 बच्चों की मौत, मां-बाप का चल रहा अस्पताल में इलाज

जोधपुर ■

जोधपुर के फलोदी जिले से बड़ी दुखद खबर सामने आई है. एक परिवार द्वारा सामूहिक आत्महत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है. माता पिता ने अपनी दो बेटियों सहित तीन बच्चों का गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया. इस घटना की खबर पूरे इलाके में फैल गई फिर माता पिता ने खुद के हाथों की नस काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया.

इस वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मां जतना व पिता शिवलाल मेघवाल को अस्पताल भेजा गया. माता पिता का जिला अस्पताल फलोदी में इलाज जारी है. जानकारी के अनुसार घरेलू कलह को बताया जा रहा घटनाक्रम की वजह रढ पूजा अवाना सहित पुलिस के आलाअधिकारी मौके पर पहुंचे. माता पिता ने ही कलेजे के टुकड़ों को मौत के घाट उतार दिया. दो बेटियों ओर एक बेटे को मौत के घाट उतारने के बाद पिता शिवलाल मेघवाल व मां जतना द्वारा भी अपने हाथ की नसें काटकर जान देने की कोशिश की. सुबह जब पड़ोसियों ने शिवलाल के घर में तीन बच्चों को इस हाल में देखा तो उनकी तो पैरो तले से जमीन ही खिसक गई.

उज्जैन में विदेश मंत्रालय के अफसर से मारपीट, गुंडागर्दी पर उतरा मंदिर समिति का कर्मचारी

उज्जैन ■

एमपी की धर्मनगरी उज्जैन में एक केंद्रीय अफसर से मारपीट की गई। मंगलनाथ मंदिर के एक कर्मचारी ने ही गुंडागर्दी करते हुए उन्हें झापड़ मार दिया। जब अधिकारी के परिवार ने बीच बचाव किया तो उनके साथ ही मंदिर का कर्मचारी अभद्रता करने लगा। मंदिर में सोमवार को यह घटना घटी। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार किया। वह पहले भी मंदिर में भक्तों के साथ मारपीट कर चुका है। इसके कारण उसे बर्खास्त भी कर दिया गया था लेकिन माफी मांगने के बाद उसे फिर काम पर रख लिया था। मंगलनाथ मंदिर के कंप्यूटर ऑपरेटर ओमप्रकाश ठाकुर ने विदेश मंत्रालय के अधिकारी सुमित कुमार के साथ मारपीट की। उन्हें गर्भगृह से बाहर धकेल दिया। मंदिर में भात पूजा कराने आए अधिकारी के परिवार ने जब उन्हें बचाने की कोशिश की तो ओमप्रकाश परिजनों से भी उलझ गया। मंदिर के अन्य कर्मचारियों ने बमुश्किल उसे संभाला।

चीन ने बोइंग जेट की डिलीवरी लेने से इनकार किया

बीजिंग। चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को अमेरिकी विमान निमार्ता कंपनी बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक बीजिंग ने अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स और डिवाइसेस की खरीद रोकने का आदेश भी दिया है। चीन ने यह आदेश अमेरिका के 145% टैरिफ के जवाब में जारी किया है। बोइंग एयरप्लेन एक अमेरिकी कंपनी है, जो एयरप्लेन, रॉकेट, सैटेलाइट, टेलीकम्युनिकेशन इक्विपमेंट और मिसाइल बनाती है। कंपनी की स्थापना 15 जुलाई 1916 को विलियम बोइंग ने की थी।

वक्फ कानून विरोध, दावा- मुर्शिदाबाद हिंसा में बांग्लादेशी कट्टरपंथी शामिल

मुर्शिदाबाद ■

वक्फ कानून के विरोध के दौरान पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा में बांग्लादेशी कनेक्शन सामने आया है। न्यूज एजेंसी ढळकने सूत्रों के हवाले से बताया कि मुर्शिदाबाद में 10-12 अप्रैल के बीच हुई हिंसा में बांग्लादेशी कट्टरपंथी शामिल थे, जिन्हें एक राजनीतिक दल के स्थानीय नेताओं की मदद मिली थी। न्यूज एजेंसी ने खुफिया रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि बांग्लादेश के दो कट्टरपंथी संगठन- जमात-उल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के सदस्यों ने इसे अंजाम दिया था।

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय मुर्शिदाबाद के हालात पर करीबी से नजर रख रहा है। शांति बहाल करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य पुलिस के साथ केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भी कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि पश्चिम बंगाल सेक्टर में अवैध घुसपैठ न हो सके।

पिता-पुत्र की हत्या करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद हिंसा में पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को अरेस्ट किया है। एक आरोपी बीरभूम और दूसरा बांग्लादेश बॉर्डर से पकड़ा गया है। इनके नाम कालू नदाब और दिलदार नदाब हैं। इन दोनों ने हरगोबिंद दास और चंदन दास की हत्या की थी। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। गाड़ियां जलाईं, दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई थीं। 3 लोगों की मौत हुई। 15 पुलिसकर्मी घायल हुए। 300 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए।

ट्रम्प हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की टैक्स छूट खत्म कर सकते हैं

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी गई टैक्स छूट खत्म करने की बात कही। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यूनिवर्सिटी को दी गई टैक्ट छूट पर फिर से विचार किया जा सकता है। ट्रम्प का कहना है कि अगर यूनिवर्सिटी पॉलिटिकल, वैचारिक और आतंकवाद समर्थन की बीमारी को बढ़ावा देना जारी रखती है तो उस पर पॉलिटिकल यूनिट की तरह टैक्स लगाया जाना चाहिए। ट्रम्प ने अपने समर्थकों को याद दिलाया कि टैक्स छूट का दर्जा सार्वजनिक हित में काम करने पर निर्भर है।

व्यंग्य : दामाद वाड्रा के घोटाले से भी कांग्रेस बैचेन..?

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

गांधी परिवार के दामाद राबर्ट वाड्रा से जमीन घोटाले में ईडी ने पूछताछ की है और 7.5 करोड़ की जमीन जिस मकसद से ली गई उसे पूरा ना करते हुए जमीन 58 करोड़ में बेच दी गई.. ऐसे तथ्य जांच में सामने आए हैं, भले ही वाड्रा इंकार करें और इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताएं, लेकिन वाड्रा पर लगे ऐसे आरोप से भी कांग्रेस की छवि को नुकसान तो पहुंचना ही है..?

गांधी परिवार बेहाल : ' बता ए गर्दिशे दौरा अभी कुछ और बाकी है ' ..!

' नशेमन बर्क ने जलाया, सबा ने खाक भी ले ली,
बता ए गर्दिशे दौरा अभी और कुछ बाकी है '

यह शेर गांधी परिवार पर यथार्थ लग रहा है. एक के बाद एक मुसीबत सामने आ रही है. केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार और अनेक राज्यों में सत्ता से बाहर कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी के साथ ही सांसद राहुल गांधी एक चर्चित मीडिया घोटाले में जमानत पर हैं और अब दामाद राबर्ट वाड्रा पर लगे आरोप ने परिवार को और बैचेन कर दिया है. वाड्रा भी ईडी के शिकंजे में हैं और दूसरी बार भेजे गए समन में उनसे गहन पूछताछ हुई है.वाड्रा पर जमीन घोटाले के आरोप का ये मामला 2008 का है. तब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा राज्य के मुख्यमंत्री थे. फरवरी 2008 में ही रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव (सेक्टर 83) में 3.5 एकड़ जमीन ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से खरीदी थी. ये डील 7.5 करोड़ रुपये में हुई थी. आरोप है कि इस जमीन का म्यूटेशन घंटों में ही पूरा करवा लिया गया था. इसके बाद, मार्च 2008 में, हरियाणा सरकार ने स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी को इस जमीन पर व्यावसायिक कॉलोनी विकसित करने का लाइसेंस (लेटर ऑफ इंटेंट) जारी किया. गौरतलब है कि उस समय हुड्डा हरियाणा के मुख्यमंत्री तो थे ही इसके अलावा उनके पास नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग भी था.

बाद में स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने हुड्डा के प्रभाव से कॉलोनी के विकास के लिए कमर्शियल लाइसेंस हासिल करने के बाद इस जमीन को जून 2008 में 58 करोड़ रुपये की कीमत पर डीएलएफ यूनिवर्सल लिमिटेड को बेच दिया.इस मामले में शिकायतकर्ता सुरिंदर शर्मा ने एफआईआर में 50 करोड़ का मुनाफा कमाने का आरोप लगाया है, हालांकि वाड्रा ईडी की जांच को राजनीतिक प्रतिशोध बता रहे हैं, लेकिन यह कहने से क्या बचाव हो जाएगा, यह अहम सवाल है, क्योंकि डील तो हुई है और यदि ईडी साबित करने में सफल हुई तो वाड्रा की गिरफ्तारी भी हो सकती है. वैसे आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविन्द केजरीवाल तो राहुल व सोनिया गांधी को क्यों जेल नहीं भेजने पर सवाल उठा चुके हैं. खैर ईडी यदि राजनीतिक कारण से एकदम गांधी परिवार पर सख्त एक्शन नहीं ले रहा है, लेकिन वाड्रा के मामले में एक्शन ले भी सकता है..?

चहल के 4 विकेट से पंजाब ने 111 रन डिफेंड किए

मुल्लांपुर ■

पंजाब किंग्स ने आईपीएल इतिहास का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड कर दिखाया। मंगलवार को मुल्लांपुर में होम टीम 111 रन ही बना सकी थी, लेकिन उन्होंने बॉलिंग में कमबैक किया और कोलकाता नाइट राइडर्स को 95 रन पर समेट दिया।

पंजाब किंग्स से युजवेंद्र चहल ने 4 विकेट लेकर मैच पलटा। उन्होंने अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह को पवेलियन भेजा। मार्को यानसन ने भी 3 अहम विकेट लिए। प्रभसिमरन सिंह ने 30 और प्रियांश आर्या ने 22 रन बनाए। कोलकाता से रघुवंशी ने 37 रन बनाए। रसेल और रहाणे 17-17 रन बनाकर आउट हुए। हर्षित राणा ने 3 विकेट लिए। वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन को 2-2 विकेट मिले। पंजाब से पहले 2009 में चेन्नई सुपर किंग्स ने 116 रन डिफेंड किए थे। तब चेन्नई सुपर किंग्स के सामने पंजाब 92 रन ही बना सका था। मिडिल ओवर्स में बॉलिंग करने आए युजवेंद्र चहल ने 4 विकेट लिए।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदान किया गया बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स अवार्ड

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एसीईएस अवार्ड-2025 के अंतर्गत बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स का अवार्ड प्रदान किया गया। दहिंदू समाचार पत्र समूह की खेल पत्रिका स्पोर्ट्स स्टार की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को यह पुरस्कार पत्रिका के संपादक श्री वी.वी. राजशेखर राव तथा नेशनल हेड श्री सतीश मेंडन ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहन के लिए ग्राम से लेकर राज्य स्तर तक प्रयास किए जा रहे हैं। सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक स्टेडियम स्थापित करने के लिए कार्य जारी है। महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में स्पोर्ट्स टीचर्स को महत्वपूर्ण दायित्व देने की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है। स्पोर्ट्स स्टार के संपादक श्री वी.वी. राजशेखर राव ने बताया कि प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध कराई गई अधोसंरचना, प्रशिक्षण व्यवस्था और परम्परागत खेलों को प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों तथा आवश्यकता के अनुरूप खेल नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से ही प्रदेश को ओलम्पिक, पैरा ओलम्पिक, एशियन गेम्स और राष्ट्रीय खेलों में अनेक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं।

फसलों के अवशेष जलाने की घटनाओं के रोकथाम के लिए जारी किया गया प्रतिबंधात्मक आदेश

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में फसलों के अवशेष (नरवाई) को जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश नेशनल ग्रीन टिब्यूनल द्वारा समय-समय पर प्रदेश में फसलों विशेषतः गेहूँ की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने संबंधी जारी प्रतिबंधित निर्देश के परिपालन में जारी किये गये है। इन्दौर जिले के अंतर्गत फसल अवशेषों (नरवाई) रोकथाम, पर्यावरण सुरक्षा, आमजन एवं जीव जन्तुओं की जीवन सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। आदेश में कहा गया है कि इंदौर जिले में किसी भी व्यक्ति द्वारा फसलों विशेषतः गेहूँ की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने की कार्यवाही की जाती है, तो उसके विरूद्ध इस आदेश का उल्लंघन के लिए कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

इंदौर के साहित्यकारों को भोपाल में मिला लक्ष्मीबाई अवार्ड

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मनपसंद कला साहित्य मंच के नियमित लेखकों को दिल्ली की संस्था विश्व हिंदी रचनाकार मंच द्वारा हिंदी भवन भोपाल में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया संस्थापक अध्यक्ष श्री राघवेन्द्र ठाकुर जी व आमंत्रित लेखकों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की, स्वरसती वंदना के बाद ₹रानी लक्ष्मीबाई काव्य संग्रह₹ का विमोचन किया गया जिसमें देश के विभिन्न लेखकों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की है। इस कार्यक्रम के पश्चात लक्ष्मीबाई मेमोरियल अवार्ड कार्यक्रम प्रारंभ हुआ इसमें इंदौर के मनपसंद कला साहित्य मंच के संस्थापक श्री जनार्दन शर्मा (लेखक, आशु कवि) को रानी लक्ष्मीबाई अवार्ड से सम्मानित किया गया साथ ही संस्था के अन्य सदस्य श्रीमती लता सेन, डॉ शशि निगम, डॉ स्वाति सिंह, श्री सीता सेन को भी अवार्ड से सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम में सभी लेखकों ने विभिन्न रचनाओं का पाठ भी किया,, जिसे देश के अन्य राज्यों से आये साहित्यकारों द्वारा बहुत सराहा गया अंत में संस्था सलाहकार लता सेन ने इस सम्मान के लिए संस्था को धन्यवाद ज्ञापित किया।

देहदानी स्वर्गीय सतीश कारोले की 7वी पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक स्मरण कर, मानव सेवा जीव कल्याण और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर मध्य प्रदेश बैरवा समाज के 15 लाख से अधिक परिवारों के गौरव समाज चिंतक प्रथम देहदानी स्वर्गीय सतीश कारोले की 7वी पुण्यतिथि पर आज परिजन और समिति के सदस्यों ने नमन कर जीव एवं मानव कल्याण और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला प्रारंभ कर श्रद्धांजलि अर्पीत की। उक्त जानकारी देते हुए समिति के संयोजक एडवोकेट लीलम कुमार डोहरिया एवं अध्यक्ष अनिकेत सतीश कारोले तथा कोषाध्यक्ष श्रीमती शीला सतीश कारोले ने संयुक्त रूप से बताया है प्रदेश के विभिन्न जिलों में रहने वाले समिति के पदाधिकारी ने अलग-अलग श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर उनका स्मरण किया और समिति के तत्वाधान में आज से एक सप्ताह के जीव कल्याण मानव कल्याण धार्मिक आयोजन की शुरूआत की गई इसके अलावा 22 अप्रैल को पंचकोशी यात्रा में उज्जैन में पद यात्रियों के लिए जल और भोजन की व्यवस्था समिति के तत्वाधान में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी की जाएगी।

विधायक के बेटे समेत पांच आरोपियों ने थाने में किया सरेंडर, पुजारी के पैर छूकर मांगी माफी

इंदौर/देवास ■ ग्लोबल हेराल्ड

भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे की दादागिरी को संगठन ने भी गंभीरता से लिया है। मामले का पटाक्षेप करने के लिए आखिरकार विधायक गोलू शुक्ला पर संगठन ने दबाव बनाया और पांचों आरोपी मंगलवार शाम देवास के कोतवाली थाने पहुंचे। वहां आरोपियों ने सरेंडर किया। थाने में जमानत समेत अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद विधायक पुत्र देवास टेकरी स्थित मां चामुंडा मंदिर पहुंचे और वहां दर्शन किए। इसके बाद वे उस पुजारी से मिले, जिसने मारपीट की शिकायत थाने में की थी। रुद्राक्ष ने पुजारी के पैर छूकर माफी मांगी। इसके बाद पुजारी ने भी रूद्राक्ष को चुनरी पहनाई।

आरोपियों के साथ आए वकील का कहना था कि रुद्राक्ष विवाद में शामिल नहीं था। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ है। उससे जुड़ी वैधानिक प्रक्रिया के लिए आए हैं। विधायक गोलू शुक्ला खुद तो देवास नहीं गए, लेकिन रिश्तेदारों के साथ बेटे को एक सफेद कार में थाने पहुंचवाया। मामले को लेकर एडिशनल एसपी जयवीर सिंह भदौरिया ने कहा कि 12 अप्रैल को इस मामले में केस दर्ज किया गया था। पांच आरोपी रुद्राक्ष, अमन, लोकेश, अनिरुद्ध और मनीष को नोटिस जारी किया था। वे थाने आए थे। अब इस मामले में गवाहों के भी बयान लिए जाएंगे।

बैठक के बाद बनी माफी मांगने की रणनीति

विधायक गोलू शुक्ला के बेटे की दादागिरी मामले को प्रदेश भाजपा संगठन ने भी गंभीरता से लिया है। संघ के पदाधिकारी रहे प्रकाश सोलपुरकर के निधन पर शोक प्रकट करने आए भाजपा के प्रदेश महामंत्री हितानंद शर्मा से विधायक गोलू शुक्ला, रमेश मेंदोला व अन्य नेतागणों ने मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार हितानंद ने मामले में नाराजगी जाहिर की। इस बैठक में ही रणनीति बनी कि विधायक गोलू शुक्ला अपने बेटे से माफी मंगवाकर मामले का पटाक्षेप करें। इसके बाद मंगलवार शाम को रुद्राक्ष देवास पहुंचे थे।

क्या बोले पुजारी?

अभद्रता के शिकार हुए पुजारी ने कहा कि विधायक के बेटे रुद्राक्ष ने मांफी मांग ली है। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, उन्होंने कहा कि हमसे गलती हुई है, हम आपका सम्मान करते हैं और आगे भी करते रहेंगे। पुजारी ने बताया कि रुद्राक्ष ने उन्हें इंदौर आने का भी निमंत्रण दिया है। अब जो हुआ सो गया, हमनें इस मामले छोड़ दिया है।

मंदिर पहुंचकर मत्था टेका

विधायक पुत्र रुद्राक्ष व अन्य के खिलाफ केस दर्ज होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया था। थाने से वे अपने रिश्तेदार कमल और बब्बी शुक्ला के साथ देवास टेकरी स्थित माता मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर की सीढ़ी पर शीश नवाया और फिर माता प्रतिमा के सामने मत्था टेका। पुजारी ने उन्हें प्रसाद भी दिया।

इंदौर के अयान्वित ने आबूधाबी में दी चार लोगों को नई जिंदगी, दिल, लिवर, किडनियां दी दान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के छपरवाल परिवार के छह वर्षीय सदस्य अयान्वित ने आबूधाबी में चार लोगों नई जिंदगी दी है। स्वीमिंग पूल में गिरने से बच्चे को ब्रेनडेड घोषित किया गया था। परिजनों ने अंगदान का फैसला लिया। अयान्वित का दिल, लीवर और दोनो किडनियां दान की गई। उसके अंगदान से चार लोगों को नई जिंदगी मिली है। अब अयान्वित के माता-पिता का इंदौर का माहेश्वरी समाज सम्मान करेगा।

इंदौर निवासी विवेक छपरवाल और पूजा छपरवाल कुछ साल पहले शारजाह शिफ्ट हो गए थे। 29 मार्च को वे अपने दोनो बेटे अयान्वित और अतुलित के साथ अपने एक मित्र के यहां आबूधाबी गई थे। मित्र जिस अर्पाटमेंट में रहते है। वहां स्वीमिंग पूल भी था। अयान्वित उसमें कूद गया, लेकिन उसका सिर फर्श से टकरा गया। इससे उसे गहरी चोट आई। माता-पिता उसे अस्पताल ले गए, लेकिन डाक्टरों ने उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। उसका पांच अप्रैल तक अस्पताल में इलाज चला। बाद में माता-पिता ने बेटे के अंगदान का फैसला लिया। इसके बाद बच्चे का दिल, लिवर और दोनो किडनियां दान दी गई। प्रत्यारोपण भी सफल रहा। इसके बाद बच्चे के पार्थिव शरीर को आबूधाबी सरकार ने भारत भेजा। इसका खर्च भी सरकार ने ही उठाया।

कंपनी के डायरेक्टर पर धोखाधड़ी की शिकायत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

फरियादी मुकेश अग्रवाल जीए पेट्रो एनर्जी पार्टनरशिप फर्म के मालिक व्यापारी के द्वारा शिकायत की गई थी कि बिहार राज्य के लालू हाईटेक वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर आरोपी सुदर्शन महतो के विरुद्ध लगभग 1 करोड़ 68 लाख 45 हजार रुपए का कच्चे माल के बदले में प्राप्त होना थे परंतु आरोपी के द्वारा राशि न देते हुए टालमटोल करते हुए धोखाधड़ी की शिकायत की गई थी। फरियादी की शिकायत के आधार पर आरोपी सुदर्शन के विरुद्ध थाना अपराध शाखा जिला इंदौर में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी की तकनीकी जानकारी प्राप्त कर क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा बिहार राज्य से आरोपी (1).सुदर्शन महतो उम्र निवासी भोजपुर बिहार को गिरफ्तार किया गया।

फरियादी की शिकायत जांच एवं आरोपी से पूछताछ करते ज्ञात हुआ कि आरोपी ने अपने व्यापार हेतु फरियादी से लगभग कुल 2 करोड़ 51 लाख रुपए का डामर, एलडीओ (ऑयल फ्यूल), इमल्स्शन आदि माल खरीदा था, आरोपी ने उक्त मल का उपयोग कर लिया गया और कुछ राशि फरियादी को भुगतान स्वरूप की गई परंतु शेष राशि कच्चे माला एवं ट्रांसपोर्टेशन की 1 करोड़ 68 लाख 45 हजार 35 रुपए फरियादी को भुगतान नहीं किया और फरियादी को उक्त माल के भुगतान हेतु बैंक चेक दिए गए जो कि बाउंस हो गए, आरोपी ने जानबूझकर योजनाबद्ध तरीके से फरियादी से कंस्ट्रक्शन मटेरियल पूर्व में क्रय किया और पेमेंट भी किया और झुठे विश्वास में लेकर बड़ी राशि का माल प्राप्त कर धोखाधड़ी की गई।

नहीं हो रही अमरनाथ यात्रा की बुकिंग रातभर से खड़े लोगों ने किया हंगामा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जुलाई में होने वाली अमरनाथ यात्रा की बुकिंग अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने शुरू कर दी है। ऑनलाइन बुकिंग सोमवार से शुरू हुई, लेकिन कुछ देर बाद ही बुकिंग बंद भी हो गई। इसके बाद अमरनाथ यात्रा के इच्छुक लोग इंदौर के जंजीरवाला स्थित जम्मू एंड कश्मीर बैंक में ऑफलाइन बुकिंग कराने पहुंचे, लेकिन बैंक के सर्वर डाउन होने के कारण काम प्रभावित हुआ। इससे नाराज यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दी। माहौल बिगड़ता देख बैंक को शटर बंद करना पड़े। मौके पर तुकोगंज थाने के पुलिस जवान भी पहुंचे और मामला शांत कराया।

बैंक के बाहर सैकड़ों लोगों की भीड़ लगी थी। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी। लोगों को कहना था कि उन्हें यात्रा शुरू होने का पहले सप्ताह में अमर नाथ जाना है, लेकिन बैंक से भी 12 जुलाई के बाद के पंजीयन का कहा जा रहा है। बता दें कि अमरनाथ यात्रा के लिए सोमवार से पंजीयन शुरू हो गए है। देशभर में 600 से ज्यादा बैंकों में ऑफ लाइन फार्म मिल रहे है। 3 जुलाई से बालटाल रुट से यात्रा शुरू होगी। इंदौर से हर साल हजारों यात्री अमर नाथ यात्रा के लिए जाते है। कुछ संगठन भी यात्रियों के जत्थे ले जाते है। जो लोग अमर नाथ यात्रा के लिए जाना चाहते है, उन्होंने मेडिकल प्रमाण पत्र भी बनवाए है। इंदौर में 12 से ज्यादा अस्पतालों में मेडिकल बोर्ड जांच के बाद सर्टिफिकेट दे रहा है। उसके आधार पर ही पंजीयन हो रहे है। इस यात्रा में 13 साल से अधिक उम्र के बच्चे और 70 साल उम्र के वरिष्ठ नागरिक ही यात्रा कर सकते है।

19 जून को सिकलसेल एनीमिया दिवस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। नेशनल हेल्थ मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में आज इंदौर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कायक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इन्दौर, आलीराजपुर, बुरहानपुर, धार, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी एवं झाबुआ जिलों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में आर.सी.एच. सेवाओं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शहरी स्वास्थ्य कार्यकम, संजीवनी क्लीनिक की क्रियाशीलता, असंचारी रोग नियंत्रण, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम तथा सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत बेहतर एवं निम्न प्रदर्शन करने वाले जिलों से उनके प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली गई।

सिलावट 16 अप्रैल को सांवेर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का करेंगे भ्रमण

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट 16 अप्रैल को सांवेर विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न ग्रामों का दौरा करेंगे। मंत्री श्री सिलावट ग्राम पंचायत पीर कराडिया, डकाच्या और ग्राम पंचायत मांगलिया में ग्रामीणों से मुलाकात करेंगे। वे ग्राम पंचायतों में मंदिर परिसर, बावड़ी आदि में स्वच्छता अभियान में भी शामिल होंगे। इस दौरान वे विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से भी भेंट करेंगे। अपने भ्रमण के दौरान श्री सिलावट डकाच्या स्वास्थ्य केन्द्र और मांगलिया में रेलवे ओव्हर ब्रिज का निरीक्षण भी करेंगे।

भीषण लू का कहर शुरू! 40 डिग्री के पार पहुंचा पारा, बारिश की उम्मीद भी बरकरार, तापमान और अधिक बढ़ सकता है

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। बीते तीन दिनों से छाए बादलों और हल्की बूंदाबांदी के बाद अब तापमान में फिर से वृद्धि देखी जा रही है। सोमवार से शुरू हुई गर्मी ने मंगलवार को और अधिक तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मध्यप्रदेश में अब हीट वेव यानी लू का असर दिखाई देने लगेगा। खासकर इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और चंबल संभाग के जिलों में लू चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को इंदौर, उज्जैन और भोपाल जैसे शहरों में तेज गर्मी का असर रहेगा और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। तेज धूप के साथ चल रही गर्म हवाएं लोगों के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा है कि आने वाले दिनों में तापमान और अधिक बढ़ सकता है और प्रदेश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा।

फिर बढ़ा पारा, रात में भी गर्मी का एहसास

इंदौर में मंगलवार को तापमान में अचानक उछाल देखा गया। तीन दिन की राहत के बाद फिर से गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। मंगलवार को अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सोमवार से 1.1 डिग्री अधिक रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान भी 23.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो बीते दिन से 1.6 डिग्री अधिक था। यह दशार्ता है कि अब रातों में भी गर्मी का असर महसूस किया जाने लगा है।

16 अप्रैल को दिखेगा मौसम का दोहरा रूप

मौसम वैज्ञानिक प्रमेन्द्र कुमार रैकवार ने जानकारी दी कि आने वाले दो दिनों में प्रदेश में मौसम का दोहरा रूप देखने को मिलेगा। जहां कुछ जिलों में तेज गर्मी रहेगी, वहीं कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। 16 अप्रैल को भी कुछ जिलों में बारिश हो सकती है, जबकि 11 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही, 17 और 18 अप्रैल को भी प्रदेश के कई हिस्सों में लू चलने की संभावना जताई गई है।

बड़प्पन की पहचान - क्षमा...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

आइए दोस्तों, आज के लेख की शुरुआत एक कहानी से करते हैं। बात कई सौ साल पहले की है राजपुर के राजा अपने महल में भोजन कर रहे थे, तभी खाना परोसते वक्त एक सेवक से गलती से थोड़ी सब्जी राजा के कपड़ों पर गिर गई। जिसके कारण राजा का चेहरा गुस्से से लाल हो गया। जिसे देख सेवक तत्काल समझ गया कि अब उसकी खैर नहीं है। ऐसी विपरीत स्थिति में भी उसने राजा द्वारा लिए जाने वाले निर्णय को भांपते हुए एक असाधारण निर्णय लिया और परोसने वाले बर्तन में बची हुई सारी सब्जी को राजा के कपड़ों पर उड़ेल दिया।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

इस घटना ने राजा के गुस्से को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया था। वे एकदम से क्रोधित स्वर में बोले, तुमने यह दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज, जब पहली बार सब्जी गिरी तो मुझे लगा कि अब मेरी जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर मैंने सोचा कि अगर आप मुझे इस छोटी सी गलती पर कड़ी सजा देंगे, तो लोग आपको क्रूर राजा समझेंगे और आपकी बदनामी होगी। इसलिए मैंने सोचा कि पूरी सब्जी ही गिरा दूँ, ताकि सारा दोष मुझ पर आए और आपकी छवि खराब न हो। सेवक की बात सुनकर राजा को गहरा बोध हुआ और उनका गुस्सा एक ही पल में शांत हो गया। उन्हें अहसास हुआ कि एक सच्चा सेवक केवल आज्ञा का पालन ही नहीं करता, बल्कि स्वामी की प्रतिष्ठा का भी ध्यान रखता है। साथ ही राजा को कभी भी छोटी बातों पर गुस्से में आकर अनावश्यक प्रतिक्रिया नहीं देना चाहिए। राजा ने सेवक को उसी क्षण क्षमा कर दिया और इस घटना से एक महत्वपूर्ण सीख ली। दोस्तों, कहानी बड़ी साधारण सी और पहले ही कई बार सुनी हुई है, लेकिन प्रश्न आता है कि क्या हमने इससे मिलने वाली सीख को अपने जीवन में उतारा है? दोस्तों, किसी के प्रति क्रोध या गुस्सा रखना या करना आसान है, लेकिन उसे माफ कर देना और उसे गलती सुधारने का अवसर देना, कठिन। लेकिन जब आप क्रोध या गुस्सा करने के आसान रास्ते को छोड़ कर, क्षमा करने का कठिन रास्ता चुनते हैं, तब आप महान बनते हैं। इसलिए दोस्तों, अपने साथ समर्पण और ईमानदारी से जुड़े लोगों की छोटी-मोटी गलतियों को भूलना और माफ करना सीखिये। अन्यथा प्रेम और समर्पण को नजरअंदाज कर, गुस्सा करने की आपकी यह आदत आपको अपनों जिन्हें हम दोस्त, रिश्तेदार, सेवक, सहकर्मी, या परिवार के सदस्य के रूप पाते हैं, से दूर कर देगी। याद रखिएगा, हम सभी इंसान हैं और हमसे गलतियां हो सकती हैं, अगर हम सबने एक दूसरे की गलतियों को माफ करना बंद कर दिया तो प्रेम और समर्पण पर आधारित आपसी रिश्ते ही ख़त्म हो जाएँगे। इसलिए दोस्तों, अपनों या दूसरों की गलतियों को समझकर क्षमा कर, सच्चे बड़प्पन का परिचय दीजिए और इस जहां में प्रेम फैलाइए। इसी बात को हमारी पुरातन संस्कृति ने एक दोहे के रूप में समझाते हुए कहा है, क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात। का हरि को घटि गयो, जौं भृगु मारी लात।। अर्थात् क्षमा करना बड़ों का गुण होता है। सच्ची महानता उसी में होती है जो सहनशीलता और धैर्य से दूसरों की गलतियों को माफ कर सके। यह गुण न केवल व्यक्ति के चरित्र को ऊँचा उठाता है बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक संदेश देता है। इसलिए दोस्तों, राजा और सेवक की इस कहानी से क्रोध को त्यागकर क्षमा का भाव रखने की सीख, को आज ही अपनाइए और अपने संबंधों को सुधारकर, समाज में शांति और प्रेम का संदेश फैलाइए। इसके लिए किसी की भी गलती दिखने पर सबसे पहले उसके पीछे छिपे भाव को पहचानने का प्रयास कीजिए और फिर सहृदयता के साथ निर्णय लीजिए। यही सच्ची मानवता की पहचान है।

कलेक्टोरेट में दिव्यांग युवक ने खुद को लगाई आग, 9 लाख की ठगी से परेशान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मंगलवार को इंदौर कलेक्टोरेट में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। दिव्यांग युवक मो. समीर पिता अब्दुल रहमान ने यहां पर आत्मदाह का प्रयास किया। युवक मकान निर्माण के लिए दिए गए 9 लाख रुपए वापस नहीं मिलने के कारण काफी परेशान था। घटना कलेक्टोरेट बिल्डिंग की पहली मंजिल पर स्थित कॉरिडोर की है, जहां वह अपनी शिकायत के साथ पहुंचा था। युवक ने पेट्रोल से भरी बोतल निकाली और खुद पर छिड़क कर आग लगाने की कोशिश की। हालांकि वहां मौजूद लोगों और मीडियाकर्मियों ने समय रहते हस्तक्षेप कर उसे ऐसा करने से रोक लिया।

मो. समीर ने बताया कि वह पिछले दो सालों से लगातार खजराना थाना से लेकर एसपी ऑफिस तक अपनी शिकायत लेकर चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक उसे कोई राहत नहीं मिली है। उसने कहा कि कई बार आवेदन देने के बावजूद उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। घटना के दिन भी उसने जनसुनवाई में जाने से पहले रसीद कटवाई थी और ऊपर पहुंचने पर काफी समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ी, जिससे उसकी मानसिक स्थिति और खराब हो गई। अत्यधिक मानसिक तनाव के चलते उसने आत्मदाह जैसा कदम उठाया। युवक का आरोप है कि उसने मकान निर्माण के लिए एक इंजीनियर को 9 लाख रुपये दिए थे, लेकिन अब वह व्यक्ति पैसे वापस नहीं कर रहा है। युवक ने आवेदन में उस इंजीनियर की पहचान जावेद हुसैन के रूप में की है और उस पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप भी लगाया है। युवक के अनुसार, आरोपी की लापरवाही और लगातार टालमटोल से उसकी आर्थिक हालत बिगड़ गई है और उसे जीवनयापन में भी कठिनाई हो रही है। घटना के बाद मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई गई। अधिकारियों ने मो. समीर को आश्वासन दिया है कि वे पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच करेंगे और आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। युवक से पूरा मामला विस्तार से समझा जा रहा है और उसके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। प्रशासन ने कहा है कि इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी ताकि उसे न्याय मिल सके और इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए सरकार प्रतिबद्ध : उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में ग्वालियर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण योजना की गहन समीक्षा की उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जल संसाधन मंत्री एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जय आरोग्य अस्पताल, ग्वालियर में सीटीवीएस (कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी) विभाग के आवश्यक पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव तैयार करने और अस्पताल भवन के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को शीघ्रता एवं प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में ग्वालियर क्षेत्र के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के अधोसंरचना विकास, मैन पॉवर, उपकरण उपलब्धता की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्थाओं के उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार समस्त अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बाहर न जाना पड़े। इसके लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और चिकित्सकीय स्टॉफ की पर्याप्त नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत सांवेर विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त तरुण राठी, तथा संचालक नीरज कुमार सिंह उपस्थित रहे।

वन संरक्षण और जलवायु-समर्थ आजीविका पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से भोपाल में

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापन, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। केन्द्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव सत्र में मुख्य वक्तव्य देंगे। प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह स्वागत उद्बोधन देंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रूपरेखा डॉ. राहुल मूँगीकर प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर जनजातीय समुदाय और प्राकृतिक संरक्षण पर केंद्रित ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति भी दी जाएगी। राष्ट्रीय कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में वन संरक्षण की वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएं, उनकी सीमाएं और समाधान, जैव विविधता संशोधन अधिनियम-2023, सामुदायिक वन अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और वन पुनर्स्थापन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। बैंगलुरू से आ रहे प्रो. रमेश विशेषज्ञ वक्तव्य भी देंगे। कार्यशाला में डॉ. योगेश गोखले, डॉ. राजेन्द्र दहातोंडे आदि वक्ता विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल राष्ट्रीय कार्य शाला के समापन-सत्र में मुख्य अतिथि होंगे। पूर्व राष्ट्रीय जनजातीय आयोग अध्यक्ष श्री हर्ष चौहान समापन वक्तव्य देंगे।

नशे में धुत ड्राइवर ने पिता-बेटी को कुचला, एक झटके में उजड़ा पूरा परिवार

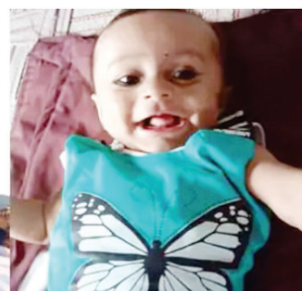

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के सिमरोल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम घोसीखेड़ा में सोमवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। रात करीब 8:30 बजे एक तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर बैठे एक पिता और उसकी एक साल की मासूम बेटी को टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में बेटी मरियम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिता अज्जू उर्फ अहमद शेख (45 वर्ष) को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक्त पिता अपनी बच्ची को गोद में लेकर खेला रहे थे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के वक्त कार की गति बेहद तेज थी और टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मासूम मरियम कुछ दूरी पर जा गिरी। सिमरोल पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कार चालक नशे की हालत में था। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की मदद से घायल अज्जू को निजी अस्पताल की एम्बुलेंस से एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि जोरदार आवाज सुनकर वे बाहर निकले, तो देखा कि पिता-बेटी सड़क पर अलग-अलग गिरे पड़े थे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दुर्घटनाग्रस्त कार का पीछा किया और उसे पकड़ भी लिया, लेकिन ड्राइवर मौका पाकर फरार हो गया।

रणजीत हनुमान मंदिर में एक लाख से ज्यादा भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के प्रसिद्ध रणजीत हनुमान मंदिर में मंगलवार शाम से भंडारा शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त प्रसादी ग्रहण करने पहुंचे। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने इस बार चलित भंडारे की व्यवस्था की। भक्तों को थालीनुमा बॉक्स में प्रसादी दी गई ताकि वे उसे अपने साथ घर ले जा सकें। मंदिर के महिला-पुरुष भक्त मंडल ने संपूर्ण व्यवस्था को संभाला। भीड़ नियंत्रण के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया। अनुमान है कि इस आयोजन में एक लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे।

फूल बंगला और भगवान का विशेष शृंगार

भंडारे से पूर्व मंदिर में भगवान रणजीत हनुमान के लिए फूल बंगला सजाया गया और भव्य शृंगार किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास ने बताया कि भगवान की विशेष आरती और छप्पन भोग अर्पित करने के बाद भंडारे की शुरूआत की गई। इस बार श्रद्धालुओं को लाइन में बैठाकर प्रसादी नहीं दी गई, बल्कि उन्हें पैक प्रसाद सौंपा गया ताकि बाहर की भीड़ पर नियंत्रण रखा जा सके और भक्तों को लंबा इंतजार न करना पड़े। यह व्यवस्था भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई।

भक्तों के लिए विशेष पैकेट में परोसी गई प्रसादी

पं. व्यास के अनुसार, भक्तों को दिए गए प्रसाद के थालीनुमा पैकेट में तीन खानों में व्यंजन परोसे गए। पहले काउंटर से राम भाजी, दूसरे से चार से पांच पूरियाँ, तीसरे से नुक्ती दी गई और यह सब एक ढक्कन वाले पैकेट में बंद कर श्रद्धालुओं को सौंपा गया। इस व्यवस्था से प्रसादी ले जाने में सहूलियत रही। इस आयोजन के लिए 70 क्विंटल से ज्यादा आटा, 160 डिब्बे तेल, 65 डिब्बे शुद्ध घी, 800 क्विंटल बेसन और 16 बोरी शक्कर एवं मसालों का उपयोग किया गया।

अभिषेक और प्रसादी की तैयारियों में जुटा भक्त मंडल

मंगलवार सुबह से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। दोपहर में भगवान रणजीत हनुमान का विधिवत अभिषेक कर उनका भव्य शृंगार किया गया। मंदिर परिसर के ग्राउंड में बड़ी मात्रा में प्रसादी तैयार की गई, जिसमें भक्त मंडल की टीम ने पूरे समर्पण के साथ व्यवस्थाएँ संभालीं। चलित भंडारा शाम से लेकर देर रात तक चलता रहा और एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने इस दिव्य आयोजन में भाग लिया।

मध्य प्रदेश शासन सत्यमेव जयते

मिला सम्मान और संबल
संवर रहा बहनों का
आज और कल

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री — डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

लाड़ली बहना योजना
मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को
₹1552.38 करोड़ की सहायता

खाते में आज आएंगे 23वीं किस्त के
₹1250 एवं

56.68 लाख
सामाजिक सुरक्षा पेंशन
हितग्राहियों को ₹340 करोड़

25 लाख से अधिक
बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग
राशि ₹57 करोड़ का अंतरण

अब तक
1.27 करोड़ बहनों
को मिली है
₹35 हजार करोड़
से अधिक की
सहायता

मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा

16 अप्रैल, 2025 | अपराह्न 1:30 बजे | ग्राम टिकरवारा, जिला मंडला

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

D-11012/25

आज मंडला से होगी लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरित : मुख्यमंत्री

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 16 अप्रैल को मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा से लाड़ली बहनों के खाते में राशि का अंतरित की जायेगी। उन्होंने कहा कि राशि अंतरण की तारीख में सदैव एकरूपता लाने के लिए अब राज्य सरकार द्वारा प्रतिमाह 15 तारीख के आसपास यह राशि लाड़ली बहनों के खाते में हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल (बुधवार) को मंडला जिले से प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाडली बहनाओं के खाते में 1552.38 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में 13 अप्रैल को राज्य सरकार तथा नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के मध्य सहकारिता अनुबंध हुआ। इससे प्रदेश के पशुपालकों को सीधा लाभ होगा। पशुपालकों द्वारा उत्पादित दूध एवं इससे जुड़े अन्य उत्पाद अब सीधे एनडीडीबी के माध्यम से खरीदे जायेंगे। इससे प्रदेश के पशुपालकों की माली हालत तेजी से सुधरेगी और वे आत्मनिर्भर हो सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह ने प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के कुल दुग्ध उत्पादन की तुलना में दुग्ध संकलन बड़े पैमाने पर बढ़ाया जाये। साथ ही प्रदेश के शेष्ज्ञ आधे ग्रामों से दूध का संकलन करने की कार्रवाई में भी गति लायें। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा 5 रुपए प्रति लीटर बोनस के रूप में प्रोत्साहन राशि देने सहित ₹डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना₹ का प्रचार-प्रसार एवं मप्र के दूध की प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक मार्केटिंग एंव ब्रांडिंग भी की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एनडीबीबी द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति के लिए कॉम्प्रिहेंसिव प्लान म.प्र. सरकार के साथ मिलकर तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल को केन्द्रीय मंत्री से मिले निदेर्शों में नये लक्ष्य शामिल कर NDDD के साथ हुये अनुबंध में आवश्यक संशोधन करने के लिये भी कहा।

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य बढ़ाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि प्रदेश में अगले 5 साल में 2 करोड़ लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन क्षमता का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें। इस दिशा में एनडीडीबी से भी मार्गदर्शन लें। उन्होंने कहा कि अभी प्रदेश के दुग्ध संघों द्वारा मात्र 10 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध संकलन किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में दूध उत्पादन और संकलन में तेजी से वृद्धि करने के निर्देश दिये।

प्रदेश को मिली 10 राजमार्गों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा 10 अप्रैल को प्रदेश को 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कर सौगात दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस सौगात के लिए केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी का आभार जताया। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी द्वारा 2330 करोड रुपए के कार्यों का भूमि-पूजन तथा 3502 करोड रुपए के कार्यों का लोकार्पण किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को मिली इस सौगात के लिए मंत्रि-परिषद के सदस्यों को भी बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी द्वारा ठल्ऊअकके माध्यम से मध्यप्रदेश में अगले 2 साल में राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल बिछाने की घोषणा की गई है। केन्द्रीय मंत्री द्वारा सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन के लिए श्रद्धालुओं के सहज और सरल आवागमन के लिये सभी आवश्यक राजमार्गों के उन्नयन की स्वीकृति देने की सहमति भी दी है।

ज्ञान की अलख भी जगा रही महिला समूह सदस्य

आजीविका ज्ञान केन्द्र का शुभारम्भ - आकांक्षी युवाओं को ग्राम में ही उपलब्ध होंगे प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

ज्ञान दान अभियान अंतर्गत इंदौर जिले में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत गठित स्व-सहायता समूहों के परिसंघों द्वारा आज ग्राम स्तर पर पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया। इस पुस्तकालय का नाम आजीविका ज्ञान केन्द्र रखा गया है। आजीविका ज्ञान केन्द्र का मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर आकांक्षी युवाओं को प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी हेतु ग्राम स्तर पर निःशुल्क पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराना है।

उपरोक्त केंद्र पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे आकांक्षी युवाओं व विद्यालयों में अध्यनरत छात्र/छात्राओं हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं की नवीनतम पुस्तकें,रोजगार समाचार पत्र, सामान्य ज्ञान की पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी। वर्तमान में उक्त आजीविका ज्ञान केंद्र का शुभारम्भ जनपद देपालुपर के ग्राम गौतमपुरा व इन्दौर जनपद अन्तर्गत ग्राम तिल्लोर खुर्द में समूह की महिलाओं द्वारा किया गया है। उक्त आजीविका ज्ञान केन्द्र का संचालन ग्राम की समूह की सर्वाधिक शिक्षित सदस्यों द्वारा किया जायेगा। आजीविका ज्ञान केन्द्र पूर्ण रूप से दान की गयी पुस्तकों व सामग्री के माध्यम से संचालित किया जायेगा। उक्त आजीविका केन्द्रों हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों, समूह की महिलाओं, बेन्कर्स व आमजन द्वारा पुस्तकें,आवश्यक सामग्री व सहायता राशि उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्य कार्यपालन आधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि ग्रामीण आजीविका मिशन से जुडकर समूह सदस्यों द्वारा अपनी छोटी-छोटी बचत व समूह ऋण के माध्यम से अपना रोजगार व आजीविका संवर्धन गतिविधियां तो कर ही रही है, साथ ही अपने ग्राम के युवाओं हेतु सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए आजीविका ज्ञान केंद्र के माध्यम से शिक्षा व ज्ञान की नवीन अलख जगा रही है। भविष्य में इस तरह के आजीविका ज्ञान केंद्र अन्य ग्रामों में भी जनसहयोग से प्रारम्भ किये जायेंगे। आज जिले में दोनों केन्द्रों का उद्घाटन आजीविका मिशन की समूह सदस्यों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

अवैध रूप से नकली नोट छापने का कार्य कर रहे आरोपी पर क्राइम ब्रांच ने की कार्यवाही

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि 03 व्यक्ति अनुराग नगर स्थित होटल इंटरनिटी अवैध रूप से नकली नोट छापने का कार्य कर रहे है, सूचना पर कार्यवाही करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा मुखबीर द्वारा बताए होटल इंटरनिटी पहुंचे के रूम नंबर 301 में पहुंचे जहां से आरोपी अब्दुल शोएब, रहीश खान, और प्रफुल कुमार कोरी को पकडा, व आरोपियों की रूम की नियमानुसार तलाशी लेते उनके कमरे में बैग से 500 रुपए के 100 नकली नोट की गड्डी मिली एवं नोट छापने के कई उपकरण मिले जिसके संबंध में आरोपियों से पूछताछ करते बताया कि जल्दी अमिर बनने की नियत से योजनाबद्ध तरीके से उक्त होटल में छुपकर अवैध रूप से नकली नोट छापते हुए साथी आरोपियों के माध्यम से नकली नोट सप्लाई करना कबूला है।

आरोपियों के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायालय में पेश करके पुलिस रिमांड प्राप्त करने की प्रक्रिया के साथ ही अवैध नकली नोट से सम्बंधित आरोपियों के अन्य साथियों के संबंध में पूछताछ करते भोपाल के रहने वाले साथी आरोपी जिनके माध्यम से आरोपियों ने लाखों रुपए के नकली नोट देना कबूला। जितपर क्राईम ब्रांच के द्वारा भोपाल से 02 आरोपियों आकाश घारु और शंकर चौरसिया को 3 लाख 85 हजार रुपए (500*770) के नकली नोट के साथ गिरफ्तार किया गया, उक्त गिरफ्तार आरोपीयो से पूछताछ करते बताया कि नोट छपने वाली छिंदवाड़ा गैंग से नोट खपाने वाली भोपाल गैंग का संपर्क फेसबुक सोशल मीडिया के माध्यम से हुआ था। और छिंदवाड़ा गैंग के द्वारा नकली नोट छापकर भोपाल गैंग के साथी आरोपी को सप्लाई हेतु दिए थे और वह अलग-अलग स्थानों पर नकली नोटो को खपाने का कार्य करने वाले थे, परंतु इसके पूर्व में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इंदौर क्राईम ब्रांच उक्त पांचों गिरफ्तार आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त कर पूर्व में सप्लाई नकली नोट एवं गैंग से जुड़े आरोपियों के संबंध में पूछताछ करने सहित अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। संलिप्तता के आधार पर अन्य साथी आरोपियों के विरुद्ध भी कार्यवाही की जावेगी।

एबी रोड पर ट्रक रोककर लूटपाट ! गैंग गिरफ्तार, कांच तोड़कर की थी वारदात

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

एबी रोड पर ट्रकों और राहगीरों की गाड़ियों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जैसे ही पुलिस को लूट की सूचना मिली, तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की गई। आरोपियों ने लूट से पहले एक ट्रक को पत्थर और डंडों से हमला कर रोकने की कोशिश की थी, जिससे उसके कांच टूट गए। इस घटना की सूचना पर तत्काल पुलिस पहुंच गई और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस अधिकारियों को मिली बड़ी सफलता

इंदौर (ग्रामीण) जोन के पुलिस महानिरीक्षक अनुराग और निमाड़ रेंज, खरगोन के उप पुलिस महानिरीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा ने जानकारी दी कि जिला खरगोन में लूट और संपत्ति से जुड़े अपराधों पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में थाना महेश्वर की चौकी काकड़दा क्षेत्र में लूट की घटना को अंजाम देने वाले पांच आरोपियों को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली है। यह कार्रवाई क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए की जा रही सख्ती का परिणाम है।

गश्त के दौरान पकड़े गए पांच आरोपी

इसके बाद एक और ट्रक ड्राइवर ने बताया कि ग्राम काकड़दा दरगाह के पास उसकी गाड़ी को बलेनो कार ने ओवरटेक कर रोका और आरोपियों ने उस पर हमला कर उसका सामान लूट लिया। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर गश्त के दौरान एबी रोड पर संदिग्ध हालत में पत्थर और डंडों के साथ खड़े छह लोगों को देखा। पुलिस की गाड़ी को देखकर वे भागने लगे, जिनमें से पांच को पकड़ लिया गया जबकि एक फरार हो गया। पकड़े गए आरोपियों में मनोज पटेल, पप्पू केदार, मोतीलाल हरमोर, सुरेंद्र और हरिओम जोशी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से लूट की गई नकदी 14,700 रुपये, एक मोबाइल, डंडे और अपराध में प्रयुक्त बलेनो कार बरामद की है।

ट्रक ड्राइवरों के बयानों से खुला मामला

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एक ट्रक ड्राइवर ने बताया कि ग्राम बाकानेर में नए आगरा-मुंबई हाईवे की थ्री लेन पर ओवरब्रिज से लगभग 200 मीटर पहले कुछ लोग सड़क किनारे खड़े थे जिन्होंने ट्रक को रोकने की कोशिश की। ट्रक नहीं रोकने पर उन्होंने पत्थर फेंके जिससे ट्रक के सामने और कंडक्टर साइड के कांच टूट गए। बदमाशों के पास एक नीले रंग की बलेनो कार (MP09AG8816) भी थी। ट्रक ड्राइवर उन्हें आता देख वहां से ट्रक लेकर भाग गया और चौकी पर पहुंचकर शिकायत की।

हिमांशु प्रजापति ने एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक का पदभार ग्रहण किया

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। वर्ष 2019 बैच के आईएएस अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति ने आज एमपीआईडीसी (मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) इंदौर के कार्यकारी संचालक का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने एमपीआईडीसी के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की जानकारी ली।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन हेतु विशेष अभियान 17 अप्रैल तक

इंदौर। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार संगठित और असंगठित क्षेत्रों के साथ-साथ गिग/प्लेटफार्म वर्कस श्रमिकों सहित सभी श्रेणियों के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी वितरण के लिए एक व्यापक डेटाबेस ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा भी गिग/प्लेटफार्म वर्कस की सामाजिक सुरक्षा लक्षित करते हुए इस श्रेणी के श्रमिकों को संबल योजना से जोड़ा गया है। भारत सरकार ने केन्द्रीय बजट 2025-26 में गिग/प्लेटफार्म वर्कस को कवर करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की है। इसके अलावा उन्हें ई- श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा और पहचान पत्र प्रदान किये जायेंगे। गिग/प्लेटफार्म वर्कस के ई-श्रम पोर्टल तथा संबल पोर्टल पर पंजीयन हेतु 17 अप्रैल 2025 तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बड़वानी (म.प्र.)
E-mail : eephedbar@mp.nic.in, Tel & Fax 07290.224203
नि. आ.सू. क्र./03/निविदा/का.यं./लोस्वायां/2025–26 बड़वानी, दिनांक 08.04.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

ई– टेण्डरिंग पद्वति से पोर्टल https://www.mptenders.gov.in/ पर बड़वानी जिले के के ग्राम सोलवन विकासखण्ड सेंधवा में जल जीवन मिशन अंतर्गत पेयजल व्यवस्था के कार्य हेतु आनलाईन निविदा सिस्टम टेण्डर न. 2025_PHED_415400_1 द्वारा आमंत्रित की गई है।

आनॅलाईन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि :–	24.04.2025	17:30 बजे
आनॅलाईन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि :–	24.04.2025	17:30 बजे
आनॅलाईन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि :–	25.04.2025	18:00 बजे

निविदा फार्म उपर दर्शित वेबसाईट (Online System) क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते है। निविदा एव उससे संबंधित विस्तृत जानकारी उपर दर्शायी गयी वेबासईट पर उपलब्ध है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां.खण्ड बड़वानी

G-11580/25

धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में हिन्दू सम्राट नरेन्द्र मोदी ! मुसलमानों के मसीहा बनने में क्यों आगे-पीछे हो जाते हैं...

प्रस्तावना... सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास व सबके लिए प्रयास की मूल उक्ति को जन्म देने वाले लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास सुनहरा अवसर है, जब वह इस भावना को मूर्त रूप देकर धरातल पर उतार सकते हैं। कैसे? निसंदेह नरेन्द्र मोदी योगी के बाद एक हिन्दू हृदय सम्राट हैं। ट्रिपल तलाक, वक्फ कानून में संशोधन जिसे संक्षेप में उम्मीद कानून 2025 कहा गया, पारित करवाने के कारण नरेन्द्र मोदी मुसलमानों के प्रति भी हितैषी सिद्ध हो रहे हैं। इस कारण वे गंगा-जमुनी तहजीब के झंडाबरदार के रूप में मसीहा (मसीह क्रिशचियन शब्द से बना है) कि किरदार में एक फरिश्ते हो सकते हैं। इस प्रकार तीनों धर्मों का संगम दृष्टिगोचर होता है।

राजीव खंडेलवाल
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

मुस्लिम समाज के हितों के लिए किए गए अनेकोंनेक कार्य

याद कीजिए! ईद के मौके पर 32 लाख सौगात-ए-मोदी किट मोदी ईदी देकर तमसो मा ज्योतिर्गमय की उदत्त भावना के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूल अवधारणा अंत्योदय (अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति) को मुस्लिम समाज पर भी लागू किया। निजामुद्दीन मरकज के प्रमुख मोहम्मद साद व मस्जिद के अंदर रहने वाले अन्य मुसलमानों को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के हस्तक्षेप से कोरोना काल में निजामुद्दीन दरगाह (मरकज) से बाहर निकाल कर मस्जिद खाली करवाई गई। तब्लीगी जमात जिसने ह्यमरकजह्न में इस्लामिक धार्मिक सम्मेलन आयोजित किया था, में कई विदेशी नागरिकों ने भी भाग लिया था। उन पर कोरोना फैलाने के इतने गंभीर आरोप लगे थे कि, तत्समय देश के इतिहास में पहली बार कोरोना से बीमारों व हुई मौतों की हिंदुओं और मुसलमानों की अलग-अलग संख्या प्रतिदिन स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में बतलाई जाती थी। मोहम्मद साद के विरूद्ध दर्ज प्राथमिकी का क्या हुआ? क्या कार्रवाई हुई, आज तक कुछ अता-पता नहीं। 7 मुस्लिम राष्ट्रों द्वारा उनके देश के उच्चतम सम्मानों से मोदी को नवाजा गया। कुवैत ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से नवाजा, तो सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने नरेन्द्र मोदी को अपना बड़ा भाई कहा। इस प्रकार मोदी अरब देशों में काफी पसंद किये जाने वाले नेता बने हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विशुद्ध मुसलमानो के हितों के लिए शुरू की गई कुछ योजनाएं निम्न हैः-उड़ान योजना, शादी शगुन योजना, उस्ताद योजना, सीखो और कमाओ योजना, ईदी योजना आदि। मुस्लिम समाज को लेकर नरेन्द्र मोदी ने खास निर्देश दिए हैं कि जो वोट देते हैं या जो वोट नहीं देते हैं, कार्यकताओं उनमें भेदभाव न करें। ये सब कारक क्या उन्हे मुसलमान समाज का मसीहा नहीं बनाते हैं? परन्तु फिर भी वे मसीहा बनते-बनते फिसल क्यों जाते हैं, इसके लिए उनके परनाला तो वहीं गिरेगा की तर्ज पर कुछ बयान जिम्मेदार हैं।

मुसलमानों के विरुद्ध चुनावी बयानबाजी

नरेंद्र मोदी एनआरसी के विरोध में पूरे देश में पत्थरबाजी एवं दंगा की घटना होने पर यह कहते हैं कि जो लोग हिंसा कर रहे हैं, उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है। बांसवाड़ा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि अगर कांग्रेस की सरकार आई तो वो लोगो की संपत्तियां लेकर ज्यादा बच्चों वालों और घुसपैठियों को बांट देगी। पहले जब उनकी सरकार थी, तब उन्होंने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला हक मुसलमानों का है। इसका मतलब ये संपत्ति इकट्ठा करके किसको बांटेंगे? जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बांटेंगे, घुसपैठियों को बांटेंगे। क्या आपकी मेहनत का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा? आपको मंजूर है ये? उन्होंने आगे कहा था, ये कांग्रेस का मेनिफेस्टो कह रहा है कि वो मां-बहनों के गोल्ड का हिसाब करेंगे. उसकी जानकारी लेंगे और फिर उसे बांट देंगे और उनको बांटेंगे जिनको मनमोहन सिंह की सरकार ने कहा था संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। भाइयों-बहनों ये अर्बन नक्सल की सोच, मेरी मां-बहनों, ये आपका मंगलसूत्र भी नहीं बचने देंगे। ये यहां तक जाएंगे। मोदी के उक्त कथन उन्हीं मुस्लिम समाज के बीच परस्पर अविश्वास की खाई पैदा कर देते हैं, जिस समाज के बेहतरी के लिए उन्होंने उपरोक्त कार्य किये हैं। सौगात-ए-मोदी के साथ ही रोड पर नमाज न करने की धमकी देने के साथ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की भावना से काली पट्टी लगाए नमाजियों में से कुछ की पहचान कर पुलिस द्वारा उनके दंडात्मक कार्रवाई करने का नोटिस देना तुम्ही से मोहब्बत तुम्ही से लड़ाई की उलटबांसी तो दशार्ता ही है, कहीं विश्वास की भावना को कम कर अविश्वास की खाई को भी बढ़ाता है। खासकर उस स्थिति में जब उसके बाद रामनवमी के जुलूस बिना किसी धमकी, रुकावट के निकल जाते हैं।

20 करोड़ मुसलमानों का इलाज क्या है?

संघ प्रमुख मोहन भागवत जी ने साफ कर दिया है कि हिन्दू-मुस्लिम दोनो का डीएनए एक है। लगभग 18 प्रतिशत से ज्यादा इस देश में मुसलमान है, जिनकी जनसंख्या लगभग 20 करोड़ से ऊपर है, के साथ ही जीवन व्यतीत करना होगा। क्योंकि न तो 20 करोड़ मुसलमानों का कत्ले-आम किया जा सकता है और न ही देश निकाला हो सकता है, जैसा कि विश्व में हिन्दुओं के विरूद्ध अत्याचार हो रहे हैं। भारत के बाहर रहने वाले हमारे अल्पसंख्यक हिन्दुओं के विरूद्ध खासकर मुस्लिम राष्ट्र जो व्यवहार कर रहे हैं, यदि जवाब में हम भी वैसा ही व्यवहार इन अल्पसंख्यक मुस्लिमों के साथ कर सकते हैं, तो किसने आपको रोका है? परन्तु आप भी जानते हैं कि ऐसा व्यवहार में नहीं किया जा सकता है। हमारी संस्कृति, संस्कार व परंपराएं हमें ऐसा करने की दिशा नहीं देती। तब फिर गाल बजाना व मुंह फुलाना एक साथ संभव नहीं है। आपको अंतिम रूप से यह तय करना ही होगा कि हमें इन 20 करोड़ मुसलमानों में से लगभग 90 से 95 प्रतिशत जो राष्ट्रवादी मुस्लिमस् है, उनके साथ रहने की स्थिति बनानी ही होगी। शेष 5 प्रतिशत राष्ट्रद्रोही, आंतकवादी हो सकते हैं। उनकी पहचान कर उनके खिलाफ शठे शॉम्यम समाचरेत की भावना के अनुरूप संविधान के अनुसार कड़ी कार्रवाई कर न्यायिक प्रक्रिया से गुजर कर उन्हे उनके द्वारा घटित अपराधों के लिए अंतिम अंजाम तक पहुंचाना ही होगा। पगड़ी दोनों हाथों से संभाली जाती है। स्पष्ट है 20 करोड़ मुसलमान समस्या नहीं है। इसलिए उनका इलाज का प्रश्न उत्पन्न नहीं होता है। वास्तव में समस्या आपकी सोच है, जिसके इलाज की आवश्यकता है। अतः इस देश के शांतिप्रिय भाई-चारे माहौल व जीवन का एक मात्र रास्ता व साधन यही है, जिसको अपना कर धरातल पर उतारने की गंभीर आवश्यकता है। भाजपा का मूल उद्देश्य भी तो यही है कि देश में सौहार्द्र, भाई-चारा और मिली-जुली संस्कृति की पहचान आगे बढ़ती रहे। हमारी दुनिया में न पूरब हो न पच्छिम कोई, सारे इंसान सिमट आएँ खुली बाहों में।

तथाकथित हिंदू-मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति असफल व देश विरोधी नीति।

जहाँ तक हिन्दू-मुस्लिम तुष्टीकरण का प्रश्न है, स्पष्ट है कि इस नीति से अस्थायी रूप से फायदा तो हो सकता है, परन्तु स्थायी फायदा किसी का नहीं हो सकता है। इसका एक उदाहरण मैं अपने जिले बैतूल का देना चाहता हूं। यहां मुस्लिम जनसंख्या मात्र 12.24 प्रतिशत है, बावजूद इसके इस लोकसभा क्षेत्र से तीन बार मुस्लिम सांसद चुने गये। सर्वप्रथम वर्ष 1980 गुफरान ए आजम, वर्ष 1989 पूर्व मंत्री आरिफ बेग एवं 1991 में प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी असलम शेर खान। गौर करने की बात यह है कि तीनों व्यक्ति बैतूल के रहवासी भी नहीं थे। इनमें से दो व्यक्ति कांग्रेस से चुने गये व आरिफ बेग भाजपा से चुने गये। इसी लोकसभा क्षेत्र से वर्ष 1967 में क्रिश्चियन धर्मामवली नरेन्द्र कुमार साल्वे चुने गये, जबकि उनकी संख्या मात्र 0.70 प्रतिशत है। स्पष्ट है अल्पसंख्यक मुस्लिम व्यक्ति हिन्दू बहुल क्षेत्र से चुना जा सकता है। मतलब साफ है, तथाकथित तुष्टीकरण की नीति सफल नहीं होती है। जैसा कि उत्तर प्रदेश के मुस्लिम बहुल क्षेत्र से भी हिन्दू व्यक्ति चुनकर आये हैं। कहने का मतलब यह है कि आप हिन्दू-मुस्लिमों को वोट की नजर से मत देखिये! कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है।

उपसंहार...

बशीर बद्र के अल्फाज में सात संदूकों में भरकर दफन कर दो नफरतें! आज इंसाँ को मोहब्बत की जरूरत है बहुत। इस दृष्टि से हम देश के इन दोनों प्रमुख समाज को देखेंगे तो हम निश्चित रूप से ऐसी नीति बना पाएंगे जहां दोनों के हित साधते हो, टकराते न हो। जहाँ कहीं हित टकराने की स्थिति हो सकती है, वहां पर हमें हरे और लाल सिग्नल के बीच में पीले सिग्नल वाली वैसी स्थिति को अपनाना होगा। वैसे जिस दिन मोदी मुसलमानों के मसीहा हो जायेगें उसी दिन देश के मीडिया में हिन्दू-मुस्लिम बहस समाप्त हो जायेगी व देश की विभिन्न समस्याओं पर सार्थक चर्चा होने लगेगी।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

फर्जी जाति प्रमाण पत्र से नौकरी करने वालों के खिलाफ क्यों नहीं हुई कार्रवाई, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर ■

सतना जिले में स्कूल शिक्षा विभाग में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले शिक्षाकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई न किए जाने को चुनौती देते हुए जबलपुर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत एवं न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है।

सतना निवासी राजेश प्रसाद गौतम की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि सतना जिले में अनावेदक रामचरण, श्यामलाल, सुंदरलाल, रामप्यारे और रामप्रकाश अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हैं। पढ़ाई के दौरान उन्होंने ओबीसी वर्ग की छात्रवृत्ति प्राप्त की थी, लेकिन बाद में उन्होंने अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग का फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर स्कूल शिक्षा विभाग में नौकरी हासिल कर ली। इस संबंध में पूर्व में दायर याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने जांच के आदेश दिए थे, जिसमें जाति प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए थे। स्कूल शिक्षा विभाग, जिला कलेक्टर तथा जिला शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आदेश के बावजूद अनावेदकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई और वे अब भी स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। इसी कारण यह याचिका दायर की गई है। याचिका में सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, कलेक्टर, एसपी सतना, एसएचओ सभापुर एवं बिरसिंहपुर सतना, तथा अनावेदक रामचरण, श्यामलाल, सुंदरलाल, रामप्यारे और रामप्रकाश को पक्षकार बनाया गया है। सुनवाई के पश्चात न्यायालय ने सभी अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता संतोष कुमार पाठक ने पक्ष प्रस्तुत किया।

कैबिनेट बैठक: 'मध्य प्रदेश किसान मिशन' को मंजूरी, खेती के साथ पशुपालन और श्री अन्न उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक की जानकारी देते हुए नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि ह्यमध्य प्रदेश किसान मिशनह्न राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय को बढ़ाना और कृषि को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि 2003 की तुलना में कृषि उत्पादकता में करीब 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और कृषि विकास दर 3 प्रतिशत से बढ़कर 9.8 प्रतिशत तक पहुंची है। इस मिशन के तहत किसान कल्याण, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी, मछली पालन, सहकारिता, खाद्य नागरिक आपूर्ति समेत कई विभाग आपस में समन्वय कर किसानों के लिए योजनाएं लागू करेंगे। इन सभी विभागों को समाहित कर एक उच्च स्तरीय राज्य स्तरीय कमेटी गठित की गई है, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री करेंगे। इसके अतिरिक्त एक मुख्य सचिव स्तर की कमेटी और जिला स्तर पर समितियाँ भी बनाई जाएंगी, ताकि मिशन का सुचारु क्रियान्वयन हो सके।

श्री अन्न और जैविक खेती को मिलेगा बढ़ावा

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देकर आदिवासी महिलाओं और सेल्फ हेल्प ग्रुप्स को आर्थिक लाभ पहुंचाया गया है। सरकार अब जैविक और सस्टेनेबल खेती को अपनाने की दिशा में कदम उठा रही है। साथ ही पारंपरिक खेती के संरक्षण पर भी जोर रहेगा।

दूध उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर फोकस

मध्यप्रदेश के 50 प्रतिशत से अधिक गांव अब दुग्ध उत्पादन में सक्रिय हैं। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से प्रदेश में दूध संग्रहण और उत्पादन की क्षमता को और बढ़ाया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि गोपालक और पशुपालक किसानों की आय दोगुनी हो।

स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र को भी मिली मजबूती

कैबिनेट में चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, और न्यूरोपेडियाट्रिक्स विभाग के लिए 12 नए पद स्वीकृत किए गए हैं। यह कदम नवजात मृत्यु दर में कमी लाने के लिए उठाया गया है। इसके बाद इसे चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के दूसरे अस्पताल में बढ़ाया जाएगा।

लाडली बहना योजना पर भी दी सफाई

बैठक में मंत्री ने लाडली बहना योजना को लेकर फैल रही भ्रांतियों पर भी स्पष्टता दी। उन्होंने कहा कि योजना बंद नहीं हो रही है। 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री मोहन यादव मंडला से बहनों के खातों में राशि ट्रांसफर करेंगे।

रतलाम में फूट-फूटकर रोई सीएम डॉ. मोहन यादव से मिलने पहुंची महिला

रतलाम। एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को रतलाम का दौरा किया। वे अखिल भारतीय ग्रामीण वनवासी मजदूर महासंघ के अधिवेशन में पहुंचे थे। कार्यक्रम में एक महिला भी अपनी शिकायत के समाधान के लिए मुख्यमंत्री से मिलने पहुंची थीं। वे कई किमी दूर से रतलाम आईं थीं। जैसे ही वे मुख्यमंत्री से मिलने के लिए आगे बढ़ीं, सीएम के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। इसी दरमियान सीएम डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम स्थल से निकल गए। सीएम को यूं जाते देख महिला फूट-फूट कर रोने लगीं। ऐसे में वहां मौजूद अधिकारी आगे आए और उनसे बात की। महिला ने अपनी समस्या बताई तो अधिकारियों ने इसके निराकरण के लिए तुरंत कदम उठाने का आश्वासन दिया।

पापा ने शादी पर दिया ऐसा गिफ्ट कि इमोशनल हो गया बेटा

उज्जैन ■

मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले में एक पिता ने अपने बेटे को ऐसा गिफ्ट दिया कि बेटा देखकर हैरान रह गया। चौंसला गांव से एक दूल्हे की बारात हेलीकॉप्टर से इंगोरिया गांव पहुंची। जिसके देखने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। दोनों गांव में हेलीपैड बनाए गए हैं। दरअसल, जितेंद्र सिंह गोहिल के बेटे कप्तान सिंह का सपना था कि उसकी बारात हेलीकॉप्टर से जाए। इसके बाद पिता ने ठान लिया कि बेटे का सपना पूरा करके रहेंगे। उन्होंने बेटे की बारात के अहमदाबाद की एक कंपनी में हेलीकॉप्टर के लिए संपर्क किया। जिसमें 12.50 लाख रुपए डील पूरी हुई। उसके बाद पुलिस, प्रशासन और फायर डिपार्टमेंट से एनओसी सहित जरूरी कागजात तैयार कराए गए।

दोनों गांव में बनाए गए हेलीपैड

हेलीकॉप्टर से बारात ले जाने के लिए चौसला और इंगोरिया गांवों में हेलीपैड बनाए गए। पुलिस ने मौके पर मौजूद रहे। हेलीकॉप्टर से बारात आने और जाने के समय बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। 14 अप्रैल को दोपहर 2:15 बजे हेलीकॉप्टर चौंसला उतरा और 5:20 बजे दूल्हा हेलीकॉप्टर से इंगोरिया रवाना हुआ। इसके बाद रात्रि विश्राम के बाद 15 अप्रैल को दुल्हन को लेकर हेलीकॉप्टर से ग्राम चौंसला वापस आ गया।

पापा के गिफ्ट से इमोशनल हुआ बेटा- पापा जितेंद्र सिंह गोहिल के गिफ्ट से बेटा कप्तान इमोशनल हो गया।उसने बताया कि मैं बहुत खुश हूं। दुल्हन को हेलीकॉप्टर से ले जाने का सपना सच हुआ। जिसे मेरे पापा के द्वारा पूरा किया गया। मुझे गर्व महसूस हो रहा है।

क्रिकेट मैच पर सट्टा खेलने वाले नौ आरोपी गिरफ्तार दो लेपटॉप, 22 मोबाइल समेत अन्य सामान जब्त

नीमच ■

नीमच पुलिस ने क्रिकेट पर आईडी के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा लगाने के मामले में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 लैपटॉप, 22 मोबाइल, विभिन्न बैंकों के 9 डेबिट कार्ड, 3 चेकबुक, 1 पासबुक और मोबाइल चार्जर जब्त किया है।

नीमच एसपी अंकित जायसवाल ने बताया कि 11 अप्रैल को बघाना थाना पुलिस ने चेन्नई सुपर किंग्स एवं कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए आईपीएल मैच पर ऑनलाइन आईडी के माध्यम से सट्टा लगाने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अब इस मामले में

यश पिता मनोज परिहार (निवासी प्राइवेट बस स्टैंड, नीमच कैंट), आनंद खंडेलवाल पिता राजेश खंडेलवाल (निवासी महात्मा गांधी मार्ग, नीमच कैंट), दिग्विजयसिंह पिता भंवरसिंह राठौड़ (निवासी उमरड़ा, जिला उदयपुर), शुभम पिता ओमप्रकाश परिहार (निवासी कालिदास मार्ग, जुनाबाजार, नीमच सिटी), पुष्पेंद्रसिंह पिता मथुरासिंह नाथावत (निवासी लसाड़िया, जिला उदयपुर), हर्षवीर पिता महेंद्रसिंह चौहान (निवासी श्रीनाथ मार्ग, किशनगढ़, सूरजपोल, जिला उदयपुर), साहिल पिता राजेंद्र साल्वी (निवासी नेला तालाब, सेक्टर 14, हिरण मगरी, जिला उदयपुर), नीतिन पिता प्रकाशचंद्र पंत (निवासी पार्श्वनाथ वैली, डाकन कोटड़ा, जिला उदयपुर), और आशीष पिता हरीश लखारा (उम्र 25 वर्ष, निवासी दर्जी मोहल्ला, कयामपुर, जिला मंदसौर) को गिरफ्तार किया गया है। एसपी अंकित जायसवाल ने बताया कि 11 अप्रैल की रात, नाका नंबर 4, रजा कॉलोनी, बघाना से आईपीएल 2025 के चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते हुए चार आरोपियों अदनान खान, रेहान उर्फ मोन्टी, बुरहान खान और अदनान खान उर्फ बिट्टू को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उनके कब्जे से 1 लैपटॉप, 1 एलईडी टीवी, 4 एंड्रॉइड मोबाइल, 3 कीपैड मोबाइल, सेट टॉप बॉक्स, 5,000 रुपये नगद सहित लगभग 1 करोड़ रुपये का सट्टा हिसाब जब्त किया था।

सीएम के मंच पर विधायक को नहीं मिली कुर्सी ! गुस्से में छोड़कर चले गए कार्यक्रम

रतलाम ■

मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन सीएम डॉ मोहन यादव पहुंचे। इसी दौरान एक अजीब वाक्या हो गया। जिसके कारण विधायक नाराज हो गए। रतलाम ग्रामीण से विधायक मथुरालाल डामोर को मंच पर जगह ही नहीं मिली। जिससे वह नाराज हो गए।

आदिवासी विधायक मथुरालाल डामोर गुस्से में आकर कार्यक्रम छोड़कर लौटने लगे। जिसके बाद भाजपा नेता और

सीएसपी के द्वारा मान-मनोव्वल का दौर चला। इसी दौरान विधायक ने गुस्से में आकर कह दिया कि मैं रतलाम ग्रामीण का विधायक हूं, बिरसा मुंडा और टंट्या भील का वंशज हूं, मुझे ही मंच पर नहीं बैठाया। जबकि, महापौर प्रहलाद पटेल मंच पर बैठे हैं। मुझे नीचे ऐसी जगह बैठाया, जहां हवा भी नहीं आ रही थी।

एमपी में रिश्वत ले रहे पटवारी का किसान ने बनाया वीडियो

सतना ■

मध्यप्रदेश के सतना जिले में एक और रिश्वतखोर सामने आया है। जहां कोठी तहसील के अंतर्गत भंवर गांव में पदस्थ पटवारी शिवेंद्र सिंह का रिश्वत लेते वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें पटवारी नामांतरण के लिए संबंधितों से 15 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। वीडियो में 4 हजार रुपए की रिश्वत लेता भी नजर आया है। मामला संज्ञान में आते ही पटवारी को निलंबित कर दिया गया है।

दरअसल, भंवर गांव निवासी रामभगत पांडेय का निधन हो गया

था। उनके घर के सदस्य जमीनों का फौती नामांतरण करवाने के लिए पटवारी को आवेदन दिया था। आवेदन में रोहित पांडेय पुष्पेंद्र पाण्डेय, राजाराम पाण्डेय ने फौती के आधार पर जमीन का नामांतरण करने के लिए कहा, लेकिन पटवारी ने इसकी एवज में 15 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की। वह बिना राशि के नामांतरण करने को राजी नहीं था। परिवार के लोगों ने परेशान होकर उसके बुलाया और रिश्वत की रकम देते वीडियो में कैद कर लिया। परिवार की ओर राशि करने को कहा गया। इसके बाद कुछ पैसे दे दिए गए। पटवारी के द्वारा दबाव बनाया गया तो वीडियो वायरल कर दिया गया। वायरल वीडियो में रिश्वत की रकम पूछे जाने पर उसने अपने मोबाइल में 15000 लिखकर दिखाया। साथ ही यह भी कहा कि पैसा मिलते ही काम हो जाएगा। इसके बाद पुष्पेंद्र पांडेय ने पटवारी को 4 हजार दिए तो उसने कहा कि एक साथ 15000 चाहिए, जिसमें सब का काम हो जाएगा।

पूर्व सीएम ने बाबा रामदेव के खिलाफ खोला मोर्चा, बोले- ये शरबत पिलाकर

भोपाल ■

मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने राजधानी भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बाबा रामदेव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

उन्होंने कहा कि हम व्यापारी रामदेव की बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने अपने गुलाब शरबत को बेचने के लिए रूह अफजा शरबत को हिंदू मुस्लिम विवाद में डाल दिया और मोहब्बत के शरबत को शरबत जिहाद का नाम दे दिया। हमारा संविधान ऐसे नफरत भरे बयान देने की खिलाफत करता है जो आपस

में बैर भाव उत्पन्न करें और देश का सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास करें। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने टीटी नगर थाने पहुंचकर बाबा रामदेव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 196 (1) (क), 299 एवं आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बाबा रामदेव ने पतंजलि के गुलाब शरबत की मार्केटिंग करते हुए कहा कि शरबत के नाम पर एक कंपनी है जो शरबत देती है लेकिन वह शरबत से जो पैसा मिलता है उससे मदरसे और मस्जिद बनवाती है। रामदेव का यह बयान धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है एवं वैमनस्य पूर्ण एवं धार्मिक भावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव वाला है। आगे दिग्विजय सिंह ने बताया कि बीजेपी और आरएसएस ने धर्म का दुरुपयोग करके देश में नफरत फैलाने के लिए बहुत सारे लोग तैयार किए हैं।

रंगमंच पर जाति का खेल: कितना जायज ?

प्रियंका सौरभ
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

कला का काम समाज को जागरूक करना है, उसकी विविधताओं को सम्मान देना है, और उस आईने की तरह बनना है जिसमें हर वर्ग खुद को देख सके। लेकिन जब कला सिर्फ कुछ खास वर्गों या समूहों की महिमा गाने लगे, और बाकी समाज की पीड़ा, संघर्ष और उपस्थिति को नजरअंदाज कर दे, तो वह कला नहीं रहती – वह प्रचार बन जाती है। आज रंगमंच और सिनेमा जैसे माध्यमों में यही संकट उभर कर सामने आ रहा है। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि रंगमंच पर जाति का खेल हो रहा है, बल्कि यह भी है कि वह खेल किसके पक्ष में है और किसे किनारे कर रहा है।

रंगमंच और सिनेमा, लेखन और दृश्य माध्यमों का बहुत गहरा सामाजिक असर होता है। जब मंच पर किसी समूह की बार-बार जयजयकार की जाती है, उसे ही वीर, बुद्धिमान, त्यागी और नैतिक माना जाता है, और बाकी वर्गों को या तो खलनायक या हास्य पात्र या फिर हाशिए के लोग दिखाया जाता है – तो यह असंतुलन समाज के भीतर भी गहरे बैठ जाता है। कला को यह अधिकार अवश्य है कि वह ऐतिहासिक घटनाओं, परंपराओं और चरित्रों को अपनी दृष्टि से दिखाए। लेकिन अगर यह दृष्टि बार-बार एक ही दिशा में झुकी हो – अगर वह विविधता को दबाकर केवल कुछ गिने-चुने वर्गों को ही उभारती हो – तो वह दृष्टि एकपक्षीय और पूर्वग्रह से ग्रसित मानी जाएगी।

इतिहास का चयन और वर्तमान की राजनीति- किसी भी नाटक या फि ल्म का आधार अक्सर इतिहास होता है। लेकिन इतिहास को देखने और दिखाने का तरीका आजकल चुनिंदा हो गया है। हम उन्हीं कहानियों को मंचित कर रहे हैं जो सत्ता के केंद्र में रही हैं, और उन्हीं समूहों को बार-बार गौरव और शौर्य के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा है जिन्होंने पारंपरिक रूप से सामाजिक सत्ता को अपने नियंत्रण में रखा है। दूसरी ओर, वे कहानियाँ जो सामाजिक संघर्ष, विद्रोह, क्रांति, या समानता की बात करती हैं – वे या तो अनुपस्थित हैं या उन्हें सीमित दर्शकों के लिए मंचित किया जाता है। सवाल यह नहीं है कि किसकी कहानी बताई जा रही है, सवाल यह है कि किन कहानियों को लगातार दबाया जा रहा है।

मनोरंजन के नाम पर मानसिकता का निर्माण- जब कोई बच्चा बचपन से ही नाटकों, फिल्मों, और धारावाहिकों में देखता है कि नायक एक ही सामाजिक वर्ग से आता है, उसका पहनावा, भाषा, व्यवहार श्रेष्ठ दिखाया जाता है, और बाकी वर्ग केवल सहायक, सेवक या खलनायक के रूप में मौजूद रहते हैं, तो वह यह धारणा बना लेता है कि समाज का यही स्वाभाविक क्रम है। यह सोच बाद में भेदभाव, पूर्वग्रह और असमानता को जन्म देती है। इस तरह कला सिर्फ मनोरंजन नहीं करती, बल्कि सामाजिक सोच और मानसिकता का निर्माण भी करती है। और जब वह मानसिकता असंतुलित होती है, तो वह समाज में हिंसा और बहिष्कार का कारण बनती है।

कला के नाम पर बहिष्कार और नफरत- कई बार जब कोई निर्देशक, लेखक या कलाकार समाज के वंचित वर्गों की पीड़ा को मंच पर लाता है, तो उसे विरोध का सामना करना पड़ता है। कभी कह दिया जाता है कि ये संस्कृति के खिलाफ है, कभी कहा जाता है ये इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है, और कई बार कलाकारों को धमकियाँ भी मिलती हैं। वहीं, जब कोई मंच या फिल्म किसी शक्तिशाली वर्ग की प्रशस्ति करता है, तब उसे गौरव और संस्कृति की रक्षा' का दर्जा मिल जाता है। यह दोहरा मापदंड कला को लोकतांत्रिक नहीं, बल्कि वर्गीय बनाता है।

क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता केवल कुछ वर्गों के लिए है?- कला के क्षेत्र में अक्सर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताकी बात की जाती है। लेकिन यह स्वतंत्रता सबके लिए समान रूप से उपलब्ध नहीं दिखती। जिनके पास सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक ताकत है, वे अपनी कहानियाँ बार-बार कह सकते हैं। लेकिन जिनकी आवाजें पहले ही दबाई गई हैं, उन्हें आज भी वह मंच नहीं मिल पा रहा है। सवाल यह नहीं है कि कोई वर्ग अपनी कहानी क्यों कहता है, सवाल यह है कि बाकी वर्गों की कहानियों को क्यों चुप करा दिया जाता है।

अनसुनी कहानियाँ और अदृश्य नायक- भारत के इतिहास और समाज में अनगिनत ऐसे नायक हैं जिनकी भूमिका निर्णायक रही है – लेकिन उनके नाम, संघर्ष और योगदान रंगमंच और सिनेमा में न के बराबर दिखाई देते हैं। इन वर्गों की कहानियाँ अगर दिखाई भी जाती हैं तो उन्हें या तो सहानुभूति के लेंस से देखा जाता है या केवल 'विक्टिम' की तरह प्रस्तुत किया जाता है। ऐसे में कला उन वर्गों की शक्ति, प्रतिरोध और नेतृत्व क्षमता को सामने लाने में विफल रहती है। और यह विफलता सिर्फ रचनात्मक नहीं, नैतिक भी है।

रंगमंच का लोकतंत्रीकरण आवश्यक- अगर समाज लोकतांत्रिक है, तो उसका रंगमंच भी लोकतांत्रिक होना चाहिए। इसका मतलब है – हर वर्ग की भागीदारी, हर कहानी की जगह, और हर आवाज को समान मंच। जब तक रंगमंच पर एक सीमित दृष्टिकोण और एकतरफा महिमामंडन चलता रहेगा, तब तक समाज का यह सांस्कृतिक क्षेत्र लोकतंत्र से दूर रहेगा। यह जरूरी है कि थियेटर और सिनेमा में ऐसे नाट्य-लेखक, निर्देशक और अभिनेता सामने आएं जो हाशिए की आवाजों को केंद्र में लाएं। जो इतिहास को केवल सत्ता और शौर्य के नजरिये से नहीं, बल्कि समानता और न्याय के नजरिये से भी देख सकें।

सांस्कृतिक समरसता बनाम सांस्कृतिक वर्चस्व- हमारे समाज में सांस्कृतिक समरसता का विचार बहुत महत्वपूर्ण है। इसका मतलब है – विविधता में एकता, हर संस्कृति और समुदाय के योगदान को स्वीकार करना। लेकिन जब रंगमंच एक ही प्रकार की पोशाक, भाषा, वेशभूषा और जीवनशैली को 'श्रेष्ठ' बताता है, और बाकी को या तो उपहास या तिरस्कार के रूप में दिखाता है, तो वह सांस्कृतिक वर्चस्व को बढ़ावा देता है। सांस्कृतिक वर्चस्व सिर्फ भौतिक दबाव नहीं, बल्कि मानसिक दबाव भी बनाता है। यह समाज के भीतर असुरक्षा, हीन भावना और सामाजिक तनाव पैदा करता है।

नए रंगमंच की आवश्यकता- आज जरूरत है एक ऐसे रंगमंच की जो विविधता का उत्सव माने, जो समानता को आदर्श बनाए, जो शक्ति की जगह संवेदना को महत्व दे। नाट्य लेखन में ऐसे पात्र आएं जो हर वर्ग से हों, जो उन संघर्षों को दिखाएं जो आज भी समाज में मौजूद हैं। सिर्फ ऐतिहासिक राजाओं की कहानियाँ नहीं, बल्कि खेतों, झुग्गियों, स्कूलों और सड़कों की कहानियाँ भी मंच पर हों। सिनेमा में भी यही जरूरत है। जब तक हम कहानियों को केवल सत्ता, वीरता और गौरव के चश्मे से देखते रहेंगे, तब तक हम समाज की असली तस्वीर को नहीं देख पाएंगे।

निष्कर्ष: सबकी कहानी, सबका मंच- रंगमंच पर जाति या वर्ग का खेल तब तक अनुचित है जब तक वह एकपक्षीय है। अगर यह खेल समावेशी हो – जहाँ हर वर्ग की भूमिका, पीड़ा, संघर्ष और उपलब्धि को ईमानदारी से दिखाया जाए – तो वह समाज को जोड़ने वाला हो सकता है। लेकिन जब रंगमंच केवल कुछ खास समूहों की पहचान और गौरव का उत्सव बन जाए, और बाकी समाज को दरकिनार कर दे, तो वह कला नहीं – सामाजिक अन्याय का विस्तार बन जाता है। हमें जरूरत है एक ऐसे सांस्कृतिक आंदोलन की, जो रंगमंच और सिनेमा को फिर से आम जनता का माध्यम बनाए, न कि किसी वर्ग विशेष की सत्ता का औजार। जब तक हम यह नहीं कर पाते, तब तक यह सवाल हमारे सामने बना रहेगा – रंगमंच पर जाति का खेल कितना जायज?

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

एससी-एसटी वर्गीकरण का पहला राज्य बना तेलंगाना

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के भीतर वर्गीकरण की नीति को लागू करने का निर्णय लिया है। तेलंगाना देश का पहला राज्य बन गया है। जिसने सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के निर्णय के अनुसार वर्गीकरण का काम कर केंद्र सरकार और भाजपा को कड़ी चुनौती देने का काम किया है। तेलंगाना सरकार का यह निर्णय सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक बड़ा और साहसिक कदम है। आजादी के बाद देश में आरक्षण की व्यवस्था, समग्र सामाजिक विकास के उद्देश्य से पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए की गई थी। कई दशकों बाद यह महसूस हुआ, एससी-एसटी समुदाय के भीतर की कुछ जातियाँ ही आरक्षण का लाभ मिला हैं। जबकि अन्य समूह 75 साल के बाद भी हाशिए पर ही रह गए है। इस असंतुलन को दूर करने के लिए अब समूह के बीच वर्गीकरण की आवश्यकता पैदा हुई है। तेलंगाना सरकार ने एक अध्ययन समिति का गठन किया था। उसकी रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने उपसमूह के आधार पर यह निर्णय लिया है। समाज के भीतर सबसे पिछड़े वर्गों को वास्तविक लाभ कैसे पहुँचाया जाये। इस वर्गीकरण से अब आरक्षण और अन्य सामाजिक योजनाओं का लाभ उनको नहीं मिलेगा, जो पहले से सशक्त हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ उन उपवर्गों तक पहुँचेगा। जिन्हें अब तक आरक्षण के लाभ से नजर अंदाज रखा गया है।यह कदम सामाजिक ही नहीं, संवैधानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ इस विषय पर पहले ही फैसला कर चुकी है। इस तरह के वर्गीकरण को सिद्धांततः सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ वैध ठहरा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की शर्त थी, इसका आधार ठोस और न्यायसंगत हो। तेलंगाना सरकार ने इस बात का ध्यान रखते हुए सर्वे के माध्यम से व्यापक आंकड़ों और समाजिक विश्लेषण के साथ नीति तैयार की है। यह निर्णय देश के बाकी राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है। इस निर्णय को पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ लागू किया जाएगा, तो निश्चित रूप से यह नीति उन समुदायों के लिए वरदान साबित हो सकती है।जो अब तक सरकारी योजनाओं का लाभ पाने से बहुत दूर है। तेलंगाना ने यह सिद्ध किया है, केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस नीतिगत निर्णयों से ही सामाजिक न्याय को सुनिश्चित और जवाबदेह बनाया जा सकता है। तेलंगाना सरकार की यह पहल देश में आरक्षण नीति के पुनः परीक्षण और नवचिंतन का नया आधार बन सकता है। तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है। कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जाति आधार पर जनगणना की मांग पिछले कई वर्षों से कर रहे हैं। जिस तरह की स्थिति देश में अब बन गई है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने आरक्षण के मसले पर जो दिशा निर्देश जारी किए हैं। उसके अनुसार तेलंगाना सरकार ने काम करते हुए जो नई नीति लागू की है। वह देश के विकास की एक नई आधार शिला बन सकती है। 2021 की जनगणना का काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। केंद्र सरकार को चाहिए 2021 की, जो जनगणना होना है। उसमें सभी वर्गों के साथ उनके उप वर्गों को भी शामिल किया जाए। आर्थिक एवं सामाजिक जानकारी के आंकड़े सामने लाये जाएं, ताकि भारत के सभी नागरिकों समान अवसर प्राप्त हों, जो अभी तक वंचित है। वंचित और जरूरत मंदों को आरक्षण का सहारा देकर मुख्य धारा में लाने का काम सामाजिक व्यवस्था के लिए जरूरी है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की यह जिम्मेदारी होनी चाहिए। वह कमजोर वर्गों को राहत देकर उन्हें विकास की दौड़ में समान अवसर प्रदान करें। आरक्षण को लेकर विगत कई दशकों से समय-समय पर जो विवाद देखने को मिलते है। तेलंगाना सरकार के इस निर्णय से समाज के सभी वर्ग ओर समुदाय को आरक्षण का लाभ मिलना तय होगा। इसके लिए तेलंगाना सरकार ने जो पहल की है सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है। इन दोनों की सराहना की जानी चाहिए।

सनत जैन
लेखिका
ग्लोबल हेराल्ड

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

- ललित गर्ग - | लेखक

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषत: किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

ग्लोबल हेराल्ड

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है। वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आर्तकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। ममता अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। ताजा हिंसक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है। बंगाल में तो भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, हिंसा की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगल रहा है। ममता अपनी जातियों, ग्रुपों और वोट बैंक को मजबूत कर रही हैं-देश को नहीं।

मनुष्य के दुश्मन नहीं, हितकारी हैं समस्त पशु-पक्षी !

सोशल नेटवर्किंग साइट्स के फायदे भी बहुत हैं। हाल ही में फेसबुक पर राजस्थान के एक स्थानीय यू-ट्यूब रील्स कलाकार(कामेडियन) की एक फेसबुक पोस्ट देखी। पोस्ट ने इस लेखक को बहुत अधिक प्रभावित किया। दरअसल, यह पोस्ट भीषण गर्मी में रेगिस्तान में पशुओं को पानी पिलाने के संदर्भ में थी। राजस्थान में रेगिस्तानी धोरों (रेत के टीलों) के बीच बने एक कुंड से, राजस्थान का यह स्थानीय कलाकार रेगिस्तान में आवारा/लावारिस गाय के बछड़ों को कुंड से पानी निकाल कर पिला रहा था और दर्शकों से भी आवारा/लावारिश पशुओं/पक्षियों को पानी पिलाने की गुहार कर रहा था। हमारे हिन्दू धर्म में पानी पिलाने को सबसे बड़ा धर्म व परोपकार माना गया है। सच तो यह है कि हमारी भारतीय सनातन संस्कृति में परोपकार को दान और सेवा के रूप में वर्णित किया गया है। वास्तव में परोपकार हमारे देश की पुरानी परंपरा होने के साथ-साथ ही हम भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा है।कहना गलत नहीं होगा कि धर्म, संस्कृति और समाज के हरेक पहलू में दान, सेवा और परोपकार का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

हमारे यहां तो क्या खूब कहा गया है कि -'परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः परोपकाराय वहन्ति नद्यः।परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकारार्थ मिदं शरीरम।।' अर्थात तात्पर्य यह है कि- परोपकार के लिए वृक्ष फल देते हैं, परोपकार के लिए ही नदियाँ बहती हैं और परोपकार के लिए गाय दूध देती हैं।अर्थात यह शरीर भी परोपकार के लिए ही बना है। सद्गुरु कबीर जी ने भीबड़े ही सरल व स्पष्ट शब्दों में कहा है कि 'चिड़ी चोंच भर ले गई, नदी न घटियो नीर।दान दिए धन न घटे, कह गए दास कबीर।' गर्मियों में हम जल संरक्षण करें और पशु ही नहीं पक्षियों के लिए भी समुचित पानी की व्यवस्थाएं करें।पाठक जानते हैं कि पहले के जमाने में रेगिस्तानी इलाकों/दूर-दराज के क्षेत्रों में पानी के लिए प्याऊ लगाई जाती थी, पशुओं के लिए खेतों में जगह-जगह पर पानी की खैली की व्यवस्था की जाती थी, ताकि भीषण गर्मी के सीजन में उनकी प्यास बुझाई जा सके। इस लेखक ने देखा कि फेसबुक पोस्ट में दो बछड़े पानी के टांके/कुंड/हौद के पास खड़े थे, लेकिन वे(अमूक प्राणी) पानी नहीं पी सकते थे, कुंड/टांके/हौद के पास सीमेंट से बना एक गोल बरततनुमा पात्र भी वहां रखा हुआ था, लेकिन वह रेगिस्तानी धोरों के बीच सूख गया था। स्थानीय कलाकार ने कुंड/टांके के पास रखी बाल्टी से पानी निकाल कर इन दोनों बछड़ों को पिलाया। अभी अप्रैल का महीना ही चल रहा है, आने वाले समय में भीषण गर्मी पड़ने की पूरी संभावनाएं हैं, जैसा कि ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव आज हर तरफ है और वर्ष 2024 और 2025 पिछले वर्षों की तुलना में काफी गर्म बताये जा रहें हैं। बहरहाल, ऐसा भी नहीं है कि आज धर्मार्थ पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्थाएं नहीं की जातीं हैं, अनेक लोग, विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाएं और अनेक भामाशाह ऐसे पुण्य कार्यों के लिए आगे आ रहे हैं, लेकिन बावजूद इसके विशेषकर गर्मियों के मौसम में हमें पशु-पक्षियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। रेगिस्तानी इलाकों में (दूर-दराज के क्षेत्रों में) जहां पानी के कुंड/टांकों की उपलब्धता है, उनको पानी से भरकर रखा जाना चाहिए और पानी की खैली की समुचित व्यवस्थाएं आवारा लावारिश पशुओं के लिए होनी चाहिए। पशु-पक्षी मनुष्य की तरह बोलकर अपनी भावनाओं का इजहार भूख-प्यास के लिए नहीं कर सकते हैं, यह तो हम मनुष्यों का ही दायित्व बनता है कि हम इन बेजुबान आवारा लावारिश पशुओं, पक्षियों की भावनाओं को समझें क्यों कि ये पशु-पक्षी ही हमारी खाद्य श्रृंखला के कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में अंग हैं। हमारी खाद्य श्रृंखला बनी रहेगी तो धरती की पारिस्थितिकी और पर्यावरण भी बना रहेगा और हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि धरती का पर्यावरण और पारिस्थितिकी है तभी तो हमारा भी अस्तित्व है। हमें यह याद रखना चाहिए कि मनुष्य की भांति ही पशु, और पक्षी भी सचेतन जीव हैं और इनमें ममता, वात्सल्य, और स्नेहभाव होता है, हम इन्हें स्नेह और प्यार देंगे तो हमें आत्मिक सुख और खुशी का तो अनुभव होगा ही, साथ ही साथ यह मनुष्यता का भी प्रतीक है। याद रखिए कि मनुष्य पशु-पक्षियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता है ,जैसा कि पशु-पक्षी पर्यावरण के संतुलन और स्वच्छता में मदद करते हैं।पक्षी भोजन, औषधि, उर्वरक, और मधुर गीत देते हैं।इनसे हमारा पर्यावरण समृद्ध है।पक्षी कीटों को नष्ट करके जैव नियंत्रण में मदद करते हैं। यहां तक कि पक्षियों का सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक महत्व भी है।पक्षी स्वतंत्रता, शांति, और ज्ञान के प्रतीक हैं। पाठक जानते होंगे कि मानव-पशु-पक्षी संबंधों के बारे में हमारे शास्त्रों में भी वर्णन मिलता है। कहना चाहूंगा कि हम घायल या पीड़ित पशु-पक्षियों के लिए हम आश्रय, उपचार, और भरण-पोषण की व्यवस्था कर सकते हैं, उनके लिए गर्मियों में पानी की व्यवस्थाएं कर सकते हैं। अंत में यही कहूंगा कि मनुष्य और पशु एक-दूसरे पर न केवल निर्भर हैं बल्कि पूरक भी हैं। दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है। हमें यह याद रखना चाहिए कि यदि जंगल से एक जीव(पशु-पक्षी)लुप्त हो जाता है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण व हमारी पारिस्थितिकी पर पडना स्वाभाविक व लाज़िमी ही है।

सुनील कुमार महला
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है।

क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

मुम्बई ■

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ । बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रति डोनाल्ड ट्रंप के 75 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाये जाने पर अस्थाई रोक के बाद अमेरिकी बाजारों में तेजी आई ।इसका सकारात्मक असर भारतीय बाजारों पर भी पडा। । एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय एयरटेल जैसे शेयर ऊपर आये।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1577.63 अंक करीब 2.10 फीसदी की तेजी के साथ 76,734.89 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में यह 500 अंक तकरीबन 2.19 फीसदी ऊपर आकर

23,328.55 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों की सपत्ति में भी काफी बढ़त रही। कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 412,29,007 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं शुक्रवार को यह 402,34,966 करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों की संपत्ति करीब 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बाजार में तेजी का सबसे बड़ कारण ट्रंप की उस टिप्पणी को माना जा रहा है। इसमें उन्होंने ऑटोमोबाइल सेक्टर को टैरिफ से अस्थायी राहत देने की बात कही। ट्रंप ने कहा कि ऑटोमोबाइल कंपनियों को कनाडा, मैक्सिको और अन्य जगहों से संयंत्र दूसरी जगह ले जाने के लिए समय चाहिए। आज अधिकर हेवीवेट शेयरों में भी बढ़त रही। इनमें एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्री, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एक्सिस बैंक और टाटा मोटर्स जैसे शेयर शामिल हैं। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में भी ट्रंप की टिप्पणी के बाद सकारात्मक माहौल रहा। जापान का निकेई इंडेक्स 1 फीसदी ऊपर था, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.37फीसदी ऊपर आया और हांगकांग के हेंगसेंग इंडेक्स में 0.2 फीसदी की तेजी रही वहीं वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.78 फीसदी बढ़कर 40,524.79 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.64 फीसदी उछलकर 16,831.48 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.79 फीसदी बढ़कर 5,405.97 पर बंद हुआ। हालांकि, वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स कम कारोबार कर रहा था। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज वायदा 0.2 फीसदी नीचे आया।

क्रूड सस्ता हुआ फिर भी महंगा हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली ■

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिराट के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार सुबह पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं। सोमवार को यूपी से बिहार तक कई शहरों में तेल की खुदरा कीमतों में बदलाव दिख रहा है। इससे पहले सरकार ने भी इस महीने की शुरूआत में पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी करीब 2 रुपये बढ़ा दिया था। ग्लोबल मार्केट में अभी क्रूड का भाव 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 25 पैसे सस्ता होकर 94.87 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 28 पैसे गिरा और 89.01 रुपये लीटर पहुंच गया है लेकिन गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये और डीजल 30 पैसे बढ़त के साथ 87.81 रुपये लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 13 पैसे बढ़कर 105.60 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 11 पैसे महंगा होकर 92.43 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 64.81 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी गिरावट के साथ 61.55 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

सोने की कीमतों में तेजी, चांदी के लुढ़के भाव

नई दिल्ली। देश के सराफा बाजारों में मंगलवार को सोने-चांदी की कीमत में बड़ा बदलाव हुआ है। एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में तेजी जारी है जबकि चांदी खरीदने वालों को थोड़ी राहत मिली है। सोने का भाव 93,343 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। चांदी 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 94,760 रुपए प्रति किग्रा पर है। गौरतलब है कि गोल्डमैन सैक्स ने सोने की कीमत को लेकर नया अनुमान जारी किया है। इस साल सोना इंटरनेशनल मार्केट में 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.30 लाख रुपए तक जा सकते हैं। हालांकि ऐसा तभी होगा जब ट्रेड वॉर और मंदी का रिस्क बहुत ज्यादा बढ़ जाए। अगर ट्रेड वॉर और मंदी का रिस्क एक्स्ट्रीम लेवल पर नहीं पहुंचता है, तब भी सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है।

चीन का सालाना पर निर्यात बढ़ा, आयात में गिरावट

बैंकॉक ■

चीन के निर्यात में मार्च में सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं इसी दौरान आयात में 4.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। अमेरिका के चीन से आयातित वस्तुओं पर शुल्क में बढ़ोतरी के बाद यह बढ़ोतरी देखी जा रही है।

विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था निर्यात 2025 के पहले तीन (जनवरी-मार्च) महीनों में सालाना आधार पर में 5.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि आयात में सात प्रतिशत की गिरावट आई। चीन का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष मार्च में 27.6 अरब डॉलर रहा, जबकि इसके निर्यात में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष की पहली जनवरी-मार्च तिमाही में अमेरिका के साथ चीन का व्यापार अधिशेष 76.6 अरब डॉलर रहा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों में हाल ही में किए गए संशोधनों के अनुसार चीन को अमेरिका को किए जाने वाले अधिकतर निर्यातों पर 145 प्रतिशत शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। सीमा शुल्क प्रशासन के प्रवक्ता ने कहा कि चीन जटिल व गंभीर स्थिति का सामना कर रहा है, लेकिन वह घुटने नहीं टेकेगा। उन्होंने चीन के विविध निर्यात विकल्पों और विशाल घरेलू बाजार की ओर इशारा करते हुए यह बात कही।

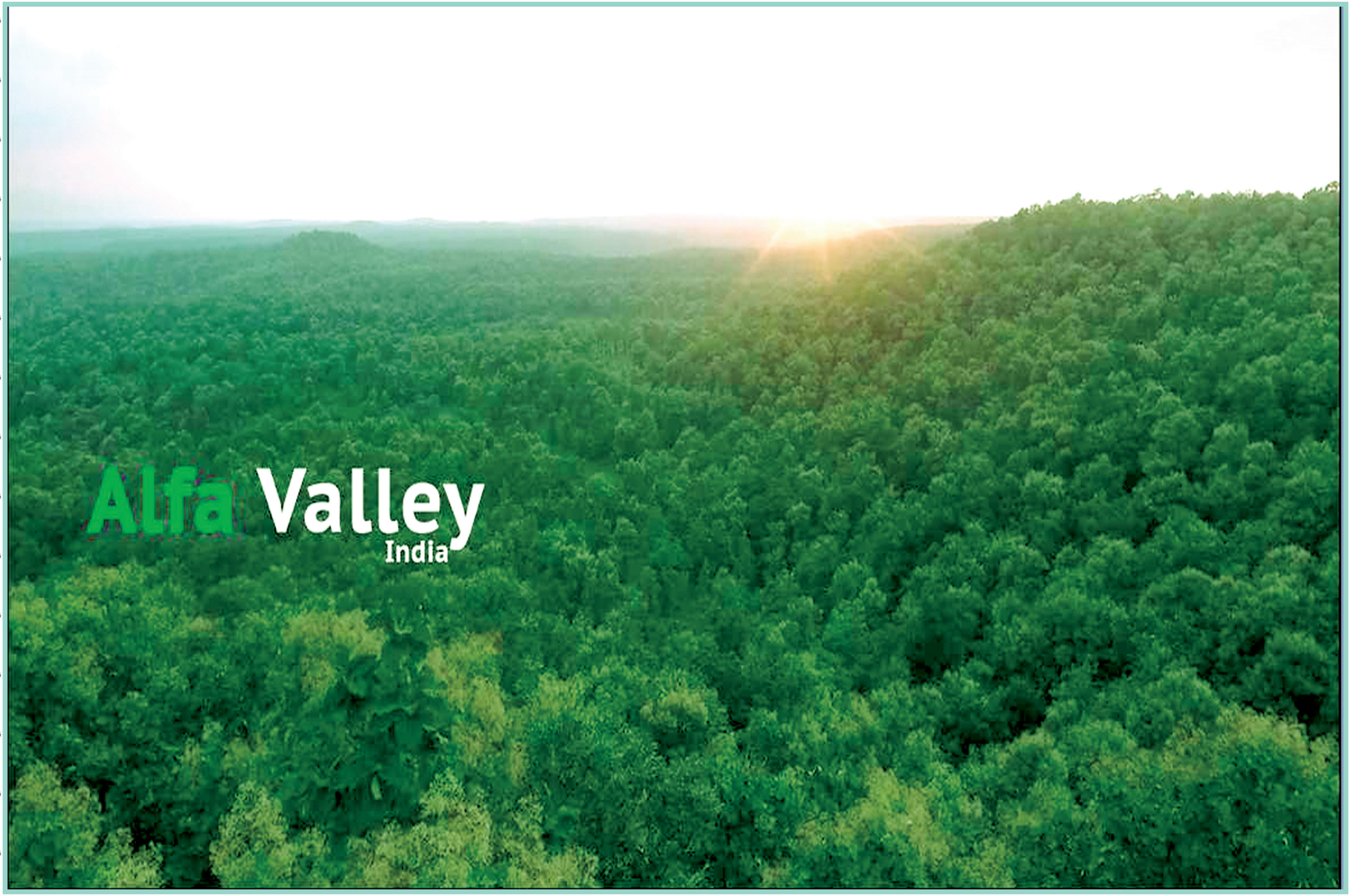

Alfa Valley
India

वनडे में दो बॉल नियम में बदलाव होगा, आईसीसी मीटिंग में प्रस्ताव रखा गया

टेस्ट में 60 सेकेंड स्टॉप क्लॉक हो सकता है लागू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) वनडे में दो बॉल के नियम में बदलाव पर विचार कर रही है। इस सप्ताह जिम्बाब्वे के हरारे में हुई बैठक में क्रिकेट कमेटी ने पारी के 35वें ओवर से केवल एक बॉल का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा है। साथ ही टेस्ट में 60 सेकेंड का स्टॉप क्लॉक भी लागू हो सकता है। मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस नियम के शुरुआत की सिफारिश की है। इसके मुताबिक प्रत्येक पारी की शुरुआत दो नई गेंदों से होगी, जैसा कि अभी होता है। लेकिन बॉलिंग करने वाली टीम को 34वें ओवर के बाद यह फैसला लेना होगा कि वे किस बॉल से खेलना चाहती हैं।

पहले 25 ओवर में बॉल बदलने की सिफारिश की थी

कमेटी ने मीटिंग में पहले 25 ओवर के बाद गेंद बदलने पर विचार किया था। लेकिन इसे कई मेंबर्स से समर्थन नहीं मिला। उनका कहना था कि, 17 ओवर तक बॉल का इस्तेमाल करने के बाद ही यह तय करना ज्यादा सही होगा कि कौन सी गेंद का इस्तेमाल जारी रखा जाए। बोर्ड इस महीने की आखिर में इस पर अपना फैसला सुना सकती है।

बल्लेबाजों को मिलता है फायदा

अक्टूबर 2011 से वनडे में दो नई बॉल का नियम लागू है। अभी वनडे में दो नई बॉल का दोनों साइड से इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में गेंद सख्त बनी रहती है जिससे बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने का मौका मिलता है। आईसीसी के एक सदस्य ने न्यूज एजेंसी को बताया, कमेटी ने तीन नियमों में बदलाव करने के बारे में सोचा है। वनडे क्रिकेट में एक बॉल का उपयोग, टेस्ट मैच में ओवर रेट की जांच के लिए क्लॉक टाइमर और अंडर 19 मेंस वर्ल्ड कप को 50 ओवर से टी20 में बदलना।

टेस्ट में भी 60 सेकेंड का स्टॉप क्लॉक

बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में 60 सेकेंड के स्टॉप क्लॉक पर भी विचार किया है। स्लो ओवर रेट से निपटने के लिए 2024 से इस नियम को टी20 और वनडे में लागू किया गया है। ऐसे में इसे टेस्ट फॉर्मेट में भी लाया जा सकता है। टाइमर क्लॉक नियम में ओवरों के बीच 60 सेकेंड का समय दिया जाता है। इसके बीच में ही आपको दूसरा ओवर शुरू करना होता है। अगर कोई टीम निर्धारित समय से अपने ओवर पूरा नहीं करती तो उसे 30-यॉर्ड सर्कल में एक एक्स्ट्रा फील्डर लाना होता है।

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज का शेड्यूल घोषित:10 साल बाद बांग्लादेश में वनडे सीरीज जीतने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय टीम इस साल अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी। इस दौरे पर मेजबान बांग्लादेश टीम इंडिया के साथ 3 मैच की वनडे सीरीज और 3 मैच की टी-20 सीरीज खेलेगा। इसकी शुरुआत 17 अगस्त से होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार, 15 अप्रैल को इसका शेड्यूल जारी किया।

पहला मैच 17 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा

इस सीरीज का पहला मैच 17 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा वनडे 20 अगस्त को मीरपुर में ही खेला जाएगा। फिर सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 23 अगस्त को चट्टोग्राम में खेला जाएगा। वनडे सीरीज के बाद 3 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेली जाएगी। टी-20 सीरीज का आगाज 26 अगस्त को चट्टोग्राम में ही होगा।

2014 में आखिरी बार बांग्लादेश में जीती सीरीज

भारत और बांग्लादेश के बीच अब तक कुल 5 वनडे सीरीज खेली गई है। यह सभी सीरीज बांग्लादेश में ही खेली गई हैं। इसमें से भारत 3 और बांग्लादेश 2 सीरीज जीता। आखिरी के दोनों सीरीज बांग्लादेश ने जीते हैं। भारतीय टीम आखिरी बार 2014 में वनडे सीरीज जीती थी। वहीं, दोनों टीमों के बीच अब तक 2 टी-20 सीरीज खेली गई है। ये दोनों भारत ने जीती हैं।

आईपीएल के बाद इंग्लैंड जाएगी टीम इंडिया

फिलहाल खिलाड़ी आईपीएल में बिजी हैं। 25 मई को आईपीएल खत्म होगा। इसके बाद 20 जून से टीम इंडिया को इंग्लैंड में 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज 4 अगस्त तक चलेगी। 5 मुकाबले लीड्स, बर्मिंघम, लॉर्ड्स, मैनचेस्टर और द ओवल के मैदानों पर खेले जाएंगे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इसी महीने बताया कि बोर्ड पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने वाला है। भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज को पटौदी ट्रॉफी कहा जाता है। 2007 में इसकी शुरुआत हुई थी, लेकिन 2025 में ट्रॉफी का नाम बदल दिया जाएगा। नया नाम क्या होगा, यह अब तक तय नहीं हुआ।

गावस्कर ने पाटीदार के रवैये की प्रशंसा की

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि पाटीदार ने काफी अच्छी कप्तानी की है। उनके सहज रवैए से टीम ने इस सत्र में अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। पाटीदार ने टीम में नया उत्साह जगह है जिससे वह बड़े हुए मनोबल से उतर रही है। इस बार आरसीबी ने 17 साल के बाद चेन्नई के चेपॉक में जीत हासिल करने के अलावा वानखेड़े स्टेडियम में भी जीत हासिल की है। वानखेड़े में ये जीत टीम को पिछले सत्रों में छह मैचों की हार के बाद मिली है।

गावस्कर ने कहा,''कप्तान के रूप में पाटीदार काफी कुशल हैं। उनकी टीम ने पिछले 17 साल में खिताब नहीं जीता है और अब

उसके खिलाड़ी समझ रहे हैं कि जीतने के लिए क्या करना चाहियेहै। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य खिलाड़ी भी अपनी ओर से सवश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं।'' गावस्कर ने टीम मेंटर दिनेश कार्तिक के कामकाज को भी सराहा। उन्होंने कहा, ''आरसीबी के पास कई अनुभवी लोग हैं जो हमेशा सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं। उसके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। उसके सहयोगी स्टाफ में कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिसके प्रभाव को लेकर लोगों को अधिक जानकारी नहीं है।''

मनोरंजन

प्रतिभाशाली कलाकारों को नहीं मिलते बराबरी के मौके : ईशा मालवीय

छोटे परदे की एक्ट्रेस ईशा मालवीय ने एक इंटरव्यू में कहा कि यह बात उन्हें आज भी परेशान करती है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इंडस्ट्री को किसी की पारिवारिक पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा को महत्व देना चाहिए। एक्ट्रेस ईशा ने कहा, मैं यह नहीं कहती कि भाई-भतीजावाद पूरी तरह गलत है, लेकिन बाहरी लोगों को भी खुद को साबित करने का निष्पक्ष मौका मिलना चाहिए। स्टार किड्स के साथ मुकाबला करने दीजिए और फिर दर्शकों को तय करने दीजिए कि कौन ज्यादा चमकदार है। हमें योग्यता पर आधारित भविष्य की ओर बढ़ना होगा। ईशा मालवीय ने 'उड़ारियां' में जैस्मिन का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता था। इसके बाद वह 2023 में 'बिग बॉस 17' में नजर आईं और शो में अपनी बेबाकी और सादगी से सुर्खियों में रहीं। वह 'पांव की जूती' जैसे म्यूजिक वीडियो और गौहर खान के साथ 'लवली लोला' शो में भी काम कर चुकी हैं। अपने अभिनय अनुभव को साझा करते हुए ईशा ने कहा कि उन्हें अपने से बिल्कुल अलग किरदार निभाना न सिर्फ चुनौतीपूर्ण लगता है, बल्कि इससे उन्हें आत्मविश्वास भी मिलता है।

शर्मिला ने मजबूती के साथ जीती कैंसर से जंग

अपने जमाने की मशहूर अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने मजबूती के साथ और बिलकूल से कैंसर जैसी बीमारी के खिलाफ जंग जीती। बीते साल 2023 में अभिनेत्री को फेफड़ों का कैंसर होने का पता चला था, लेकिन इस बात की भनक किसी को नहीं लगने दी। उन्होंने चुपचाप और हिम्मत के साथ इस बीमारी का सामना किया और अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस खबर ने उनके प्रशंसकों को चौंका दिया, लेकिन साथ ही उनके साहस और आत्मबल की भी सराहना हो रही है। हाल ही में उनकी बेटी सोहा अली खान ने इस बारे में एक यूट्यूब बातचीत में खुलासा किया। नयनदीप रक्षित से बातचीत करते हुए सोहा ने बताया कि उनके परिवार ने पिछले साल एक बड़ा और कठिन समय देखा। उन्होंने बताया कि उनकी मां को स्टेज ज़ीरो पर लंग कैंसर का पता चला था, जो काफी जल्दी पहचान में आ गया। सौभाग्यवश, उन्हें न तो कीमोथेरेपी की जरूरत पड़ी और न ही किसी अन्य लंबी इलाज प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। बीमारी को शुरुआती अवस्था में ही उनके शरीर से हटा दिया गया और अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। सोहा ने यह भी कहा कि उनकी मां ने पूरे समय बहुत शांति और हिम्मत से हालात का सामना किया। शर्मिला टैगोर ने इस बात की पुष्टि करण जौहर के पैट शो 'कॉफी विद करण' में भी की, जहां वह अपने बेटे सैफ अली खान के साथ पहुंची थी। इस शो में करण जौहर ने बताया कि उन्होंने अपनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में शबाना आज़मी वाला रोल पहले शर्मिला टैगोर को ऑफर किया था, लेकिन उस समय उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। इस पर शर्मिला टैगोर ने कहा कि वह उस वक्त कैंसर से रिकवरी की प्रक्रिया में थीं और कोविड का समय भी चल रहा था, इसलिए उनके परिवार ने कोई रिस्क न लेने का फैसला किया।

राम गोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी फिर करेंगे एकसाथ में काम

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी अपकमिंग फिल्म 'पुलिस स्टेशन में भूत है' को लेकर सुर्खियों में हैं। मनोज बाजपेयी एक बार फिर डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा के साथ काम कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी पहले भी सत्या, शूल और कौन जैसी यादगार फिल्मों में साथ नजर आ चुकी है। इन फिल्मों ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता था बल्कि मनोज बाजपेयी के करियर को भी नई ऊंचाइयां दी थीं। अब जब यह जोड़ी फिर से एक नए जॉनर में हाथ आजमाने जा रही है, तो फैंस में जबरदस्त उत्साह है। राम गोपाल वर्मा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस फिल्म की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि इस बार वह और मनोज बाजपेयी एक हॉरर कॉमेडी फिल्म लेकर आ रहे हैं एक ऐसा जॉनर जिसे दोनों ही पहली बार एक्सप्लोर करेंगे। फिल्म का टाइटल पुलिस स्टेशन में भूत है रखा गया है और इसकी टैगलाइन है आप मरे हुए को नहीं मार सकते। यह नाम और टैगलाइन ही फिल्म की अनोखी थीम को बयां कर रही है। डायरेक्टर ने फिल्म के कॉन्सेप्ट पर भी रोशनी डाली है। उन्होंने बताया कि आमतौर पर जब लोग डरते हैं तो पुलिस के पास भागते हैं, लेकिन जब खुद पुलिस डर जाए, तो वो किसके पास जाएगी? फिल्म की कहानी एक ऐसे पुलिस स्टेशन पर आधारित है जो भूतों से भरा हुआ है। यहां पुलिसवाले एक गैंग ऑफ घोस्ट्स से डरते हैं और यही डर, कहानी में डरावने और मजेदार मोड़ लाता है। राम गोपाल वर्मा ने यह भी कहा कि उन्होंने अब तक हॉरर, गैंगस्टर, पॉलिटिकल ड्रामा, रोमांस, थ्रिलर और एडवेंचर जैसी सभी विधाओं में फिल्में बनाई हैं, लेकिन हॉरर कॉमेडी में यह उनका पहला अनुभव होगा।

क्रिकेट टूर्नामेंट: बरेली में सेक्रेड हार्ट्स ने मानस स्थली की टीम को हराया, एसआर ने डीपीएस को दी मात

बरेली ■ एजेंसी

बरेली में एसआरएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीईटी) की ओर से आयोजित श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन सिक्स में सोमवार को दो मुकाबले खेले गए। इसमें सेक्रेड हार्ट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और एसआर इंटरनेशनल ने जीत हासिल की।

पहले मैच में सेक्रेड हार्ट्स के कप्तान अभिनव ने टॉस जीतकर मानस स्थली को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहली ही गेंद पर सारांश ने मानस स्थली के कप्तान सत्यांश को क्लीन बोल्ड कर बड़ा झटका दिया। इसके बाद मानस स्थली की बल्लेबाजी ताश के पत्तों के

महल की तरह बिखर गई। पूरी टीम 14.5 ओवर में 43 रन ही बना सकी। टीम का कोई भी बल्लेबाज दहाई के अंक तक नहीं पहुंच पाया। सेक्रेड हार्ट्स की टीम ने 7.2 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। सेक्रेड हार्ट्स के गेंदबाज आरुष गुप्ता ने 3.5 ओवरों में पांच रन देकर चार विकेट हासिल किए। इस उपलब्धि के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। दूसरे मुकाबले में एसआर इंटरनेशनल के कप्तान शुभ गंगवार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। शुभ गंगवार ने दो छक्कों और नौ चौकों की मदद से 53 गेंदो पर नाबाद 79 रनों की कप्तानी पारी खेली। टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट खोकर 145 रनों का स्कोर खड़ा किया।

श्रेयस बने आईसीसी के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मार्च महीने के आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। श्रेयस ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रविंद्र को पीछे छोड़ा। अय्यर ने चैम्पियंस ट्रॉफी में आक्रामकम बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक 243 रन बनाये थे और भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अय्यर ने ये प्ररस्कार मिलने पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा, मैं मार्च महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चयनित किये जाने पर सम्मानित अनुभव कर रहा हूं। यह इसलिए विशेष है क्योंकि तभी हमने चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। ये एक ऐसा पल जिसे हमेशा संजोकर रखना होगा। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 79 गेंद पर ही 98 रन बनाये थे। इसी तरह उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 गेंदों में 62 रन बनाये थे। फाइनल में भी अय्यर खासे सफल रहे।

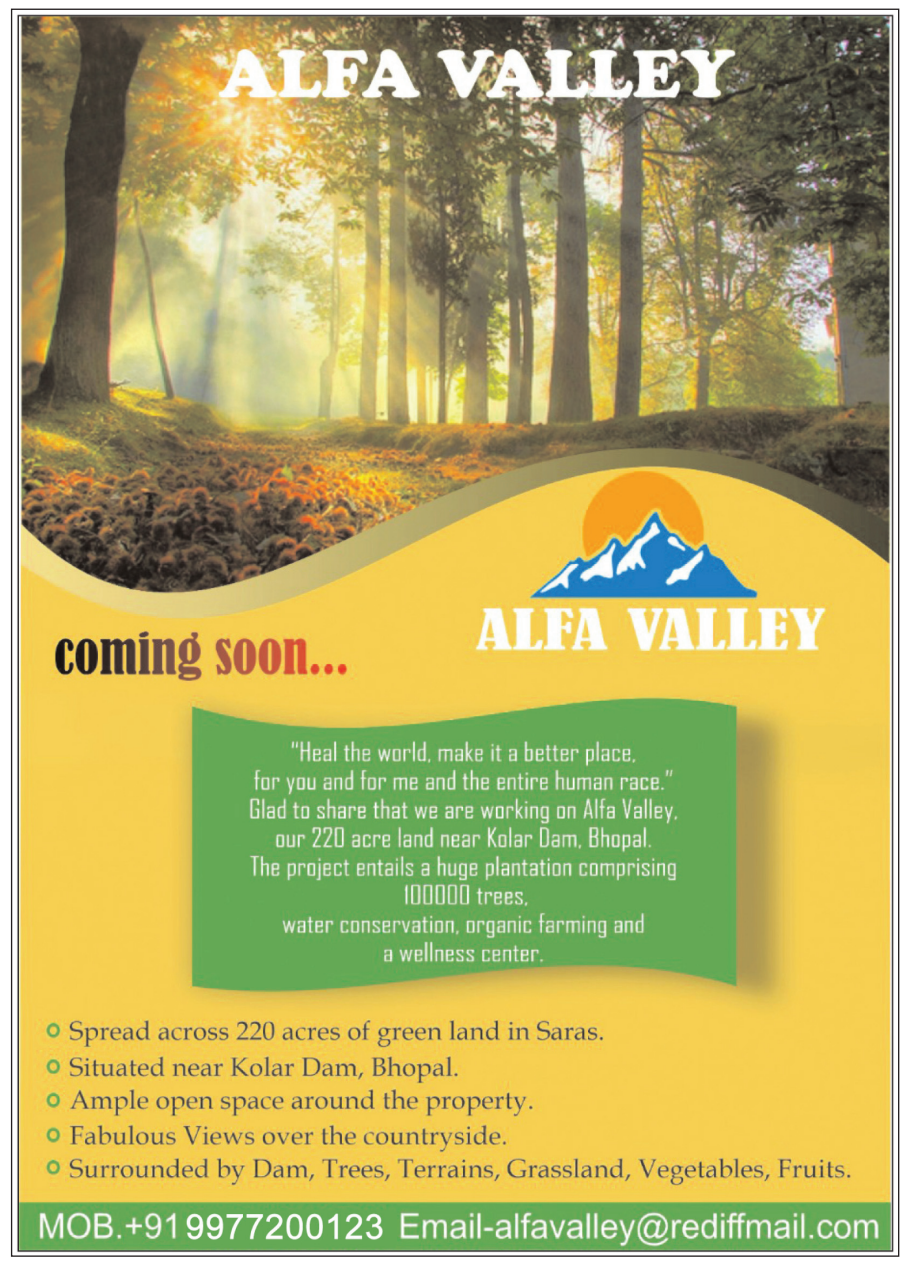

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन** *(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com